परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
1	**क -सचिवालय सामाजिक सेवा**	मंत्रालय के प्रभावी कार्यकरण हेतु कार्य स्थान का आधुनिकीकरण करना तथा सूचना प्रौद्योगिकी सहायता भी उपलब्ध कराना। कार्यालय उपकरणों का रख-रखाव तथा आई टी स्टेशनरी का प्रापण।	21.00	2.25	पुराने और अप्रयुक्त कम्प्यूटरों / फोटोकॉपियर को बदलना। लैन नेटवर्क की पुनर्सरचना कार्य करना। संस्कृति मंत्रालय के कार्यालय स्थान का आधुनिकीकरण। कमरों का नवीकरण।	मंत्रालय में कार्यालयी कामकाज के लिए 23 कंप्यूटर, 2 लैपटॉप और 25 प्रिंटर खरीदे गए। मंत्रालय के विभिन्न कार्यालयों का आधुनिकीकरण किया गया तथा इनमें फाल्स सीलिंग लगाई गई। मंत्रालय द्वारा कार्य पर रखे गए परामर्शकों को भुगतान किया गया।	21.11	1.90	सामान्यतया, योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक व स्थापना व्ययों के लिए किया जाता है।
	ख - केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार (सीएसएल)	शिक्षाविदों, अनुसंधान अध्येताओं तथा नीति निर्माताओं को सूचना तथा अनुसंधान सेवाएं उपलब्ध कराना। सभी प्रयोजनों हेतु यह एक प्रमुख ग्रंथागार है।	1.30	2.25	मंत्रालय में पुराने और अप्रचलनीय कंप्यूटर/ फोटोकॉपियर को बदलना। व्यवस्थित कार्य परिवेश बनाने के लिए अनुभागों/ इकाइयों में पड़े पुराने अभिलेखों का डिजीट्लीकरण। कार्यालय स्थान का आधुनिकीकरण। कमरों का नवीकरण कार्य (लेखा प्रकोष्ठ और रिकॉर्ड रूम आदि)। स्कीमों की समीक्षा और मूल्यांकन के लिए सहायता प्रदान करने हेतु एक व्यावसायिक सेवा शीर्ष।	लिबसिस साफ्टवेयर का स्तरोन्नयन। कंप्यूटर टैब्स की खरीद। एलईडी खरीदी गई। सम्मेलन कक्ष की नेटवर्किंग। कलर फोटोकॉपियर खरीदा गया। पुस्तकों का परिरक्षण। संग्रह विकास। वर्ष के दौरान पुस्तकों की खरीद के लिए 2 बैठकें आयोजित की गईं। वर्ष के दौरान पुस्तकों/ प्रकाशनों / एमएसएस के परिरक्षण एवं संरक्षण के कार्य को सम्पन्न करने के लिए काम सौंपा गया।	0.88	0.97	सामान्यतया, योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक व स्थापना व्ययों के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
कला एवं संस्कृति का प्रोन्नयन									
2	**क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र**	इसका लक्ष्य मूल संस्कृति और सांस्कृतिक बंधुता को बढ़ावा देना है जो क्षेत्रीय सीमाओं के बंधनों से परे हो तथा स्थानीय संस्कृति को बढ़ाए और उसके प्रति जागरूकता पैदा करना और उसे बढ़ावा देना।	--	31.00	विभिन्न स्कीमों, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों आदि के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना।	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलापों को सुदृढ़ बनाना संवर्धित और प्रदर्शित करना।	--	21.59	
(i)	राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम	भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन हेतु देश के भीतर विभिन्न क्षेत्रों के बीच कलाकारों, संगीतकारों, कला प्रदर्शकों तथा मूर्तिकारों आदि का आदान-प्रदान।			लगभग 1450 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनसे बड़ी संख्या में कलाकार लाभान्वित हुए।	518 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिससे देशभर में सांस्कृतिक विविधता का प्रचार-प्रसार करने के लिए मेलों, समारोहों, सांस्कृतिक आयोजनों में बड़ी संख्या में तैनात किए गए कलाकारों को लाभ मिला।			
(ii)	प्रलेखन	विभिन्न लोक एवं जनजातीय कलारूपों विशेष रूप से लुप्त हो रहे कलारूपों के समुचित परिरक्षण हेतु इनका प्रलेखन।			कार्यक्रम समिति के परामर्श के अनुसार सदस्य राज्यों के विभिन्न लोक तथा जनजातीय कलारूपों, उत्कृष्ट कलाकारों की कृतियों का प्रलेखन करने का प्रस्ताव किया गया और प्रकाशनार्थ अनुसंधानोन्मुखी परियोजनाओं का कार्य शुरू किये	वर्ष 2012-13 के दौरान 33 से अधिक प्रलेखन कार्य शुरू किए गए।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					जाने का प्रस्ताव किया गया।				
(iii)	लोक तरंग, लोक नृत्य उत्सव	यह उत्सव प्रत्येक वर्ष जनवरी के दौरान गणतंत्र दिवस समारोह के इतर आयोजित किया जाता है जिसका उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय अखंडता का संवर्धन करना है।			यह उत्सव राष्ट्रीय स्तर पर देश के विभिन्न हिस्सों के लोक कलाकारों को अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए विशिष्ट अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा गणतंत्र दिवस परेड में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भाग लेते हैं।	ईजेडसीसी ने 2012-13 की गणतंत्र दिवस परेड में सफलतापूर्वक भाग लिया।			
(iv)	कुरूक्षेत्र उत्सव	महाभारत से संबंधित एक पावन स्थल, कुरूक्षेत्र में गीता जयंती समारोह के अवसर पर इसे मनाया जाता है।			भारतीय कला व संस्कृति के संवर्धन हेतु यह एक बहुत ही उपयुक्त अवसर है। शास्त्रीय और लोक कलाकारों की कला प्रस्तुतियों के पेश किए जाने का प्रस्ताव किया गया जिससे काफी लोग लाभान्वित होते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में शिल्पकलाकारों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन और उनकी बिक्री करने का अवसर प्रदान करने का प्रस्ताव किया गया।	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनजेडसीसी) द्वारा दिसंबर, 2012 के दौरान कुरूक्षेत्र उत्सव-गीता जयंती समारोह-2012, का आयोजन किया गया।			
(v)	गुरु शिष्य परंपरा	तेजी से लुप्त हो रहे हमारे कलारूपों का संवर्धन एवं परिरक्षण करना।			इससे न केवल गुरूओं बल्कि शिष्यों को भी लाभ पहुँचाने का प्रस्ताव किया गया। वर्ष के दौरान लगभग 162 गुरूओं और 550 शिष्यों को लाभान्वित	स्कीम के तहत विभिन्न कलारूपों के लगभग 111 गुरु अपने 254 शिष्यों के साथ लाभान्वित हुए।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					किए जाने का प्रस्ताव किया गया।				
(vi)	रंगमंच सुदृढ़ीकरण	रंगमंच कलाकारों को नाट्कों तथा अन्य रंगमंच प्रस्तुतियों के मंचन का अवसर प्रदान करना। साथ ही संयुक्त मंच पर एक दूसरे के साथ मेलजोल करना।			लगभग 186 रंगमंच समूहों को अपने नाटक प्रस्तुत करने का प्रस्ताव था और रंगमंच के संवर्धन में बड़ी संख्या में लोगों को लाभान्वित किए जाने का प्रस्ताव था।	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे कि नाटक प्रस्तुतियों, नाटक उत्सवों तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया। इस स्कीम के अंतर्गत लगभग 148 नाटक भी मंचित किए गए।			
(vii)	प्रतिभावान युवा कलाकार स्कीम	विभिन्न लोक कलारूपों में प्रतिभावान युवा कलाकारों की पहचान करना तथा उन्हें प्रोत्साहित करना।			लगभग 128 लोक कलाकारों को चुनें जाने तथा पर्याप्त संख्या में उभरते कलाकारों तथा लोगों को शामिल करते हुए प्रतियोगिताएँ आयोजित किए जाने का प्रस्ताव किया गया था।	इस स्कीम के तहत 74 कलाकार लाभान्वित हुए और पुरस्कृत किए गए।			
(viii)	शिल्पग्राम	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों द्वारा स्थापित शिल्पग्राम भारतीय कला एवं संस्कृति के संवर्धन एवं परिरक्षण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और प्रतिभावान दस्तकारों को मंच प्रदान कर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य शिल्पग्राम/ कलाग्राम में कार्यकलापों को बढ़ावा देना			बड़ी संख्या में कलाकारों और दस्तकारों लाभान्वित होने का प्रस्ताव किया गया था। बड़ी संख्या में लोगों को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी दिए जाने का प्रस्ताव किया गया।	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों ने बड़ी संख्या में दस्तकार और शिल्पकारों को शामिल करते हुए अपने संबंधित शिल्पग्रामों में शिल्पग्राम उत्सव और अन्य सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन किया।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		है।							
(ix)	पूर्वोत्तर उत्सव - आक्टेव	पूर्वोत्तर के प्रस्तावित उत्सव का उद्देश्य सामान्यतः लोगों को और विशेषतः पूर्वोत्तर के कलाकारों को देश के शेष भाग से घनिष्ठ मेलजोल बढ़ाने में सहायता पहुँचाना है। यह पूर्वोत्तर और मुख्य भाग के बीच तथाकथित दूरी को कम करने में सहायक होगा।			लोक कलाकारों, संगीतकारों, शिल्पकारों आदि सहित पूर्वोत्तर से लगभग 1152 कलाकारों द्वारा आयोजित किए जाने वाले श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों में कला प्रस्तुत करने का प्रस्ताव था।	सदस्य राज्यों में 29 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें बड़ी संख्या में कलाकारों ने भाग लिया।			
3.	**संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली**	अकादमी भारतीय संगीत, नृत्य और नाटक के संवर्धन और वृद्धि, मंचकलाओं में प्रशिक्षण मानकों के अनुरक्षण; संगीत, नृत्य और नाटक के विभिन्न रूपों से संबंधित सामग्रियों के जीर्णोद्धार, परिरक्षण, प्रलेखन और प्रसार तथा विशिष्ट कलाकारों की पहचान के लिए कार्य करती है।	8.50	11.00	अकादेमी भारत की मंच कलाओं को आगे बढ़ाने के प्रति समर्पित है और प्रख्यात अनुभवी कलाकारों तथा नई पीढ़ी के प्रतिभावान कलाकारों की कला प्रस्तुतियों की व्यवस्था करके प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से तथा छात्रवृत्तियां प्रदान करके प्रलेखनों द्वारा इस उद्देश्य को प्राप्त करने का प्रयास करती है।	इसके नियमित बजट के अलावा, एसएनए को एनईआर कार्यकलापों के लिए अतिरिक्त धनराशि आबंटित की गई है।	8.83	20.48	सामान्यता, प्रशासनिक तथा स्थापना खर्चों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	सर्वेक्षण, अनुसंधान, प्रलेखन तथा प्रसार व प्रकाशन और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पर यूनेस्को सम्मेलन - कार्यान्वयन परियोजना	मंच कलाओं की दुर्लभ परंपराओं की रिकार्डिंग का परिरक्षण व संग्रहण, मंच कलाओं के सैद्धांतिक व अकादमिक ज्ञान का विकास तथा मंच कलाओं पर साहित्य का प्रकाशन।			750 घंटे की ऑडियो तथा वीडियो रिकार्डिंग, 10 ऑडियो सी डी, 10 वीडियो सी डी, तथा 3000 फोटोग्राफों, 60 घंटे की ऑडियो तथा वीडियो डबिंग जारी किया जाना है। 5000 फोटो जोड़े जाने हैं। 4 राज्यों में मानचित्रण परियोजना। एक राष्ट्रीय सम्मेलन, दो क्षेत्रीय संगोष्ठियां प्रस्तावित है।	एसएनए अभिलेखागार में 204 घंटों की विडियों रिकॉर्डिंग तथा 25 घंटे की ऑडियों रिकॉर्डिंग तथा 12235 श्याम-श्वेत एवं रंगीन फोटोग्राफ शामिल किए गए।			
(ii)	राष्ट्रीय मंच कला संग्रहालय नई दिल्ली रंगमंच कला अभिलेखागार	अलग भवन और परिसर का अधिग्रहण करके अकादेमी के विद्यमान संग्रहालय वाद्ययंत्रों, कठपुतलियों, मुखौटों व अन्य कला वस्तुओं को रंगमंच कलाओं को राष्ट्रीय स्तर के एक संग्रहालय में विकसित करना। अकादेमी के स्वयं के मौजूदा अभिलेखागार के अलावा देशभर में बिखरे पड़े दुर्लभ			संगीत वाद्ययंत्रों, मुखौटों, कठपुतलियों और परिधानों आदि जैसी संग्रहालय की 200 वस्तुओं की प्राप्ति। संगीत वाद्ययंत्र बनाने की परियोजनाओं को सहायता प्रदान करना। 3 ग्रंथ सूचियां तैयार करना, 110 वस्तुओं का अर्जन, 3 कार्यशालाओं का आयोजन, वाद्ययंत्र और मुखौटे बनाने संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम। मौजूदा अभिलेखीय संग्रह का	गुरु शिष्य परम्परा के अंतर्गत दुर्लभ संगीत वाद्य यंत्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, दुर्लभ वाद्य यंत्रों को बनाने (उत्तर पूर्व के तुंगबक और बेना) पर कार्यक्रम, श्रीनगर, उत्तराखंड में ढोल, डमो और हुड़का बनाने पर तीन दिवसीय कार्यशालाएं (22-24 दिसम्बर, 2011) . सरिंदा के वाद यंत्र बनाने पर 3-दिवसीय कार्यशाला (कूच बिहार, पश्चिम बंगाल में 23-25 जनवरी) ;			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	और पुस्तकालय एवं अभिलेखागार रंगमंच कलाओं पर विशेषीकृत पुस्तकालय	संग्रहों को प्राप्त करके दक्षिण भारत के एक समानांतर अभिलेखागार सहित भारत की मंच कलाओं के ऑडियो, वाडियो तथा फोटोग्राफों के दस्तावेजों का एक विशिष्ट अभिलेखागार विकसित करना। रंगमंच कलाओं पर अकादेमी के मौजूदा विशेषीकृत पुस्तकालय का विस्तार करना और इसकी समग्र सामग्रियों का डिजीट्लीकरण करना और इसे ऑनलाइन उपलब्ध करना।			डिजीटाइजेशन। अखबारों, क्लीपिंग, मोनोग्राफ्स, फोटोग्राफ्स आदि का डिजीटाइजेशन।	दर्शकों के लिए गुवाहाटी में 15 दिनों की एक 250 कठपुतलियों एवं संगीत वाद यंत्रों वाली प्रदर्शनी पुस्तकालय में 263 पुस्तकें शामिल की गई।			
(iii)	भारत के विशेषीकृत कला क्षेत्रों/रूपों के लिए अकादमी के राष्ट्रीय संस्थान व केंद्रः कथक केंद्र, नई दिल्ली, कुटियट्टम केंद्र,	अच्छे विशेषीकृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यावसायिक स्तर के कथक डांसरों को तैयार करना, कुटियट्टम के लिए अकादमी की परियोजना सहायता को स्तरोन्नयन व विकसित करना, पूर्वी क्षेत्र के छाऊ नृत्यों के लिए चल रही परियोजना सहायता का			एक वर्ष के दौरान 3-4 नई नृत्य नाटिकाओं का निर्माण, विभिन्न राज्यों में 3-4 महोत्सव प्रस्तुतियां। 5-6 नई नृत्य प्रस्तुतियों का निर्माण, कत्थक पर संगोष्ठी, कत्थक केन्द्र रंगमंडल कंपनी का विस्तार, 3 कत्थक उत्सव, कत्थक पर महोत्सव। बहुत से संस्थानों और अध्येताओं को प्रत्यक्ष रूप से	30 अगस्त, 2013 को दीक्षांत समारोह बनारस हिंदु विश्वविद्यालय के सहयोग से कत्थक उत्सव-2012, कत्थक महोत्सव 2013 (17-20, मार्च, 2013)। कत्थक केन्द्र रिपर्टरी कंपनी के नृत्य विस्तार की नई प्रस्तुति। संपूर्ण केरल में कार्यक्रमों को आयोजित किया : i. गुरुकुल को वित्तीय सहायता			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	केरल, छऊ केंद्र, बारिपदा/जमशेद पुर, अन्य राष्ट्रीय परियोजनाएं, जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इंफाल तथा सत्रीय केंद्र, गुवाहाटी	स्तरोन्नयन व विकास, कर्नाटक के यक्षगान, तमिलनाडु का भगवतमेला जैसे परंपरागत लोक रंगमंच रूपों, के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकास, अच्छे विशेषीकृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के जरिए व्यावसायिक स्तर के मणिपुरी नर्तकों को तैयार करना, सत्रीया नृत्य व संबद्ध संगीत व नाटक परंपराओं के लिए अकादमी परियोजना सहायता का विकास।			लाभांवित करने वाली बहुत सी परियोजनाओं, प्रशिक्षण, निर्माण कार्य, अनुसंधान एवं प्रस्तुति प्रदर्शन को शामिल करते हुए कुटियट्टम की चालू परियोजना। नृत्य पर्व, सत्रीया नृत्य के वार्षिक उत्सव आदि। कठपुतली बनाने और कठपुतलियों को चलाने का प्रशिक्षण तथा वार्षिक महोत्सवों का आयोजन। शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लगभग 300 कलाकारों और अध्येताओं को प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित करने वाले बहुत से परियोजना प्रशिक्षण, निर्माण कार्य अनुसंधान एवं प्रस्तुतियों को शामिल करते हुए छऊ नृत्यों को सहायता प्रदान करने की चालू परियोजना। ध्रुपद पर विशेष ध्यान देते हुए संगीत महोत्सव। विशेष प्रलेखीकरण एवं शुरूआती प्रशिक्षण। प्रख्यात गुरूओं एवं अग्रणी संस्थानों के अधीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सहायता सांस्कृतिक कार्यक्रम को आयोजित करना तथा वित्तीय	ii. गुरुदक्षिणा समेत अन्य संस्थानों को सहायता। iii. वार्षिक कुटियट्टम महोत्सव iv. कुटियट्टम की पाक्षिक प्रस्तुतियां पेश करना शुरू किया गया। (नांगियार कुट्टू / चक्रायकुट्टू)। झारखंड ओडिशा और दिल्ली की छऊ नृत्य संबंधी 14-16 और 20 अप्रैल, 2012 को की गई। एसएनए ने विभिन्न कठपुतली कलाकारों को सहायता प्रदान की और साथ ही कठपुतली कला के क्षेत्र में कार्यरत देशभर के संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान की। कठपुतली केन्द्र के लिए श्रीनिवास मलैय्या मेमोरियल थिएटर ट्रस्ट में किराए पर जगह ली गई। 4 पहचाने गए सत्तरों को सहायता, प्रख्यात गुरूओं के अधीन 4 प्रशिक्षण कार्यक्रम। प्रस्तुति सहायता स्कीम के तहत गुवाहाटी में नृत्य संस्थानों को सहायता, सत्तरिया परंपरा के विभिन्न पहलुओं पर लैक-डेम			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					सहायता प्रदान करना और रामलीला एवं वैदिक मंत्रोचारण के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम। आईसीएच की प्रतिनिधि सूची और तत्काल सुरक्षोंपाय सूची में शामिल किए जाने वाली कलाओं के सांस्कृतिक मानचित्रण और सूची निर्माण कार्य। यूनेस्को कन्वेंशन के लिए 20 डोजियरो पर कार्य करना। एसएनए द्वारा विकसित अन्य राष्ट्रीय परियोजना के लिए नई स्कीम।	में 7 उत्सवों को आयोजित किया गया। 3 अध्येताओं को अनुसंधान अनुदान। 7 नवम्बर, 2012 को नयी नृत्य नाटिका-'शकुन्तला' को प्रस्तुत किया गया। विभिन्न राज्यों में 3-4 उत्सवः प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। नट संकीर्तन और इससे जुडे कलारूपों पर एक पुस्तक का विमोचन लैक-डेम में 3 अप्रैल 2012 किया गया तथा एक अध्ययन दौरा सह प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।			
(iv)	अनुसंधान और प्रकाशन (अनुसंधान, प्रकाशन, मंच कला डाटाबेस, मंच कलाओं का विस्तृत विवरण और शैक्षिक	भारत के संगीत नृत्य और नाटक/थियेटर में नई खोज जिसके परिणामस्वरूप भारत की मंचकला परंपराओं का प्रणालीबद्ध विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त होता है। मुद्रित शब्दों द्वारा भारत की मंच कलाओं के ज्ञान के संपूर्ण विस्तार का प्रसार। डाटाबेस			कर्नाटक संगीत, तेलगू नाटक/थियेटर तथा लोक गीत, पूर्वी भारत के झूमर पर तीन अनुसंधान कार्य। संगीत नाटक पत्रिका के चार प्रकाशन, संगीत नाटक अकादमी की पत्रिकाओं, चार पत्रिकाएं (संगना), हिंदी और अंग्रेजी में तीन पुस्तकें तथा इसकी वार्षिक रिपोर्ट।	दो पुस्तकों तथा जरनल का एक अंक प्रकाशित किया गया। लक्षद्वीप की मंच कला फोरम का सर्वेक्षण, मानचित्र और प्रलेखीकरण। 27 अक्टूबर से 14 नवम्बर, 2012 आईसीएच के लिए 6 द्वीपों और 16 कला रूपों की पहचान की गई।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सेमिनार अंतर कार्यकलाप साक्षात्कार कार्यशालाएं)	पुस्तकों, पत्रिकाओं, सर्वदृश्य अभिलेखों आदि का निर्माण। विद्वानों, मंच कलाकारों के बीच विशिष्ट ज्ञान का आदान-प्रदान और प्रसार।			मुद्रण और अन्य स्रोतों के क्षेत्र का व्यापक मानचित्रण। आवश्यकता का मूल्यांकन और संसाधनों की उपलब्धता जिसके परिणाम स्वरूप योजना संभव हो सके। 1 सेमीनार/कार्यशाला। 5 साक्षात्कार				
(v)	संगीत, नृत्य, थियेटर के लोक और जनजातीय रूपों में सहायता। संगीत, नृत्य, संस्कृत थियेटर/पारंपरिक थियेटर रूपों की प्रमुख क्षेत्रीय परंपराओं को सहायता। प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रायोगिक सृजनात्मक,	विभिन्न क्षेत्रों और उनकी प्रथाओं और परंपराओं की संकल्पनाओं की खोज करना। उनके क्षेत्रों की सुस्पष्ट मंच कला परंपराओं पर भी ध्यान केन्द्रित करना और संगीत तथा अन्य अभिव्यक्तियों के विभिन्न रूपों का संरक्षण करना। विभिन्न वाद्य यंत्रों के साथ जुड़ी शिल्प कलाओं के साथ-साथ भारतीय कला रूपों के अभिचिन्हित रूपों को सहायता करना और उनका पोषण करना। उन लोगों के समूह को बढ़ावा देना जो विभिन्न नामों से ज्ञात वाद्ययंत्र बजाते			राजस्थान के ब्रहदेशी और मांड पर 2 उत्सवों का आयोजन किया जाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहे हैं और नये प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी सिफारिश की गयी है। प्रायोगिक सृजनात्मक, मौखिक और गायक वृन्द के प्रदर्शनों पर एक उत्सव केन्द्रित किया गया। 2 संगीत प्रतिभा उत्सव आयोजित किये जाने हैं। भुवनेश्वर पर एक संगीत संगम। टप्पा पर ठुमरी और ध्रुपद उत्सव कार्यशाला, संगीत समीक्षा और आलोचना पर कार्यशाला, नृत्य के विभिन्न रूपों पर उत्सव सेमिनार और व्याख्यान, 5 प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किये	गुरू शिष्य परंपरा के अंतर्गत 12 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है और समीक्षा के बाद 5 प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बंद कर दिया गया। एनबीटी के सहयोग से विश्व पुस्तक मेले के दौरान लोक एवं जनजातीय मंच कलाओं का एक उत्सव देशज -2013, 4-10 फरवरी के दौरान आयोजित किया गया इसमें 350 कलाकारों ने भाग लिया। रंग प्रतिभा, पटियाला।			

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	मौखिक और गायक या नर्तक वृन्द को प्रशिक्षण कार्यक्रम, युवा कलाकार, उत्सव सहायता कार्याशाला/ सेमिनार आदि में सहायता	हैं अथवा स्वर संगीत का प्रदर्शन करते हैं।			जाने हैं। युवा नर्तक के दो क्षेत्रीय उत्सव आयोजित किए जाने प्रस्तावित हैं। विशेषज्ञ श्रृंखला में विशेषज्ञों से मिलें का आयोजन करना ताकि विचार विमर्श और अंतर कार्यकलाप किया जा सके। व्याख्यान प्रदर्शन आयोजित करना। 1 प्रशिक्षण कार्यकम, नाट्य पर्व उत्सव, सेमिनार और परिसंवाद। सहायता और क्षमता प्रदान करना। पारंपरिक रंगमंच रूपों की पहचान करना। 2/3 निर्माणोन्मुख नाटक लेखन कार्यशाला। 3 प्रशिक्षण कार्यक्रम। उत्तर पूर्व में युवा निर्देशकों के दो महोत्सवों का आयोजन किया जाना है। मंच कलाओं के लोक / जनजातीय रूपों के 10 कार्यक्रम 12 समूहों द्वारा प्रस्तुतियां।				
(vi)	पुरस्कार, सम्मान तथा पारितोषिक : एस एन ए	मंच कलाओं में उत्कृष्टता तथा सतत योगदान को मान्यता प्रदान करना तथा प्रतिष्ठित अनुभवी कलाकारों			अकादमी ने टैगोर स्कीम के अंतर्गत 50 अध्येताओं को चुना है और 50 पुरस्कार दिए है। अकादमी ने अपनी स्थापना के	राष्ट्रपति भवन में 9 अक्टूबर 2012 का भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा संगीत नाटक अध्येतावृत्ति और पुरस्कार प्रदान			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अध्येतावृत्ति तथा पुरस्कार (अकादमी रत्न सदस्यता और पुरस्कार) बिस्मिल्ला खान युवा पुरस्कार, युवा पुरस्कार	को सहायता प्रदान करना। अकादमी पुरस्कार अध्येतावृत्ति तथा अकादमी पुरस्कार (शिक्षावृत्ति 30 जीवित व्यक्तियों तक सीमित है)। 35 वर्ष से कम आयु के युवा कलाकारों के लिए उस्ताद बिस्मिल्ला खान युवा पुरस्कार सृजित किया गया है। पुरस्कार में 25000 रु. की राशि दी जाती है।			बाद से प्रमुख कलाकारों को 138 अध्येता वृत्तियां और विशिष्ट कलाकारों को 1208 पुरस्कार प्रदान किये हैं। इसने संगीत, नृत्य, थियेटर और अन्य संबंधित कलारूपों के 129 युवा पेशेवरों को युवा पुरस्कार भी दिए है।	किए गए जिसके पश्चात दिल्ली में भारत के संगीत नृत्य, थियेटर और लोक कलाओं का एक सप्ताह का उत्सव आयोजित किया गया। 36 अकादमी पुरस्कार, 11 अध्येतावृत्तियां 33 युवा पुरस्कार युवा कलाकारों को दिए गए। एसएनए के माननीय अध्यक्ष द्वारा बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को युवा पुरस्कार दिया गया जिसके बाद एक सप्ताह के उत्सव का आयोजन किया गया।			
(vii)	सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 1. अंतर्राज्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 2. भारत एशियाई सांस्कृतिक आदान-प्रदान	सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण।			अकादमी के लिए यह भी आवश्यक है कि वह नियमित आधार पर विशेषज्ञों, कार्मिकों आदि के आदान-प्रदान द्वारा विदेश में संपर्क और अंतर कार्यकलाप विकसित करे।	विदेशों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान समेत कार्यक्रम। पडोसी देशों की राष्ट्रीय अकादमियों के साथ संयुक्त मंच कला प्रदर्शन जिसके तहत प्रमुख एशियाई उत्सवों में 6 समूहों को प्रायोजित किया गया।			

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कार्यक्रम (नई स्कीमें)								
(viii)	वेबसाइट का कम्प्यूटरीकरण और निर्माण मीडिया के माध्यम से संर्वधानात्मक कार्यकलाप	अकादमी के कंप्यूटरीकरण के कार्य को पूरा करना तथा इसकी वेबसाइट का महत्वपूर्ण रूप से विस्तार करना। इलैक्ट्रोनिक मीडिया का उपयोग कर भारत की मंच कला परंपरा का संवर्धन			वेबसाइट पर और पृष्ठ, अन्य शहरों में अकादमी के केन्द्रों के साथ नेटवर्किंग और नये उपस्करों की खरीद मीडियाकर्मियों की कार्यशाला	8 कंप्यूटर शामिल किए गए और वेबसाइट का स्तरोन्नयन। मीडिया कर्मियों की कार्यशाला का आयोजन।			
(ix)	नयी स्कीमें क. मंच कलाओं पर फिल्मों, वृत्तचित्रों, टीवी कार्यक्रमों, डीवीडी और एसीडी का निर्माण ख. संस्कृति कर्मियों एवं प्रबंधकों के प्रशिक्षण के	-विशेषज्ञ फिल्म निर्माताओं और विद्वानों की पहचान करना -अन्य संबंधित मंच कलाओं में पेशेवरों का सृजन करना -सहयोगी अकादमियों और राज्य संस्कृति विभागों के साथ सहयोग से कार्यरत अकादमियों के उद्देश्य के अनुसार ये भारतीय मंच कलाओं को समग्र रूप से आगे बढाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं।			इन स्कीमों को वर्ष के दौरान कार्यान्वित किये जाने का प्रस्ताव है।	चिकित्सा सहायता के लिए 15 कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	लिए पाठ्यक्रम ग. राज्य अकादमियों और अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों का जीर्णोद्धार और उन्नयन घ. शिक्षा में मंच कलाएं ड. अवसंरचना निर्माण और विकास अनुरक्षण च. कलाकार के लिए कल्याण उपाय।	मंचकलाओं के संदर्भ में पहचान क्षेत्रों का मूल्यांकन करना जिन्हें कला समीक्षा के लिए शिक्षा प्रणाली से जोड़ा जा सकता है।							
4.	**ललित कला अकादमी**	दृश्य तथा रुपंकर (प्लास्टिक) कलाओं का संवर्धन। इसका मिशन आधुनिक और समकालीन कला की बेहतर समझ को बढ़ावा देना है।	7.50	7.00	स्थापना शीर्ष के अंतर्गत गैर योजना बजट से सीजीएचएस अंशदान, चिकित्सा व्यय, किराया, दर और कर, सेवानिवृति लाभ के भुगतान भी किए जाते हैं।	गैर योजना बजट से आकस्मिक व्यय और किराया, दर और कर पर व्यय (इसके क्षेत्रीय कार्यालयों सहित) भी पूरा किये जाते हैं।	8.85	7.65	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	दृश्य तथा रूपंकर कला के क्षेत्र में संवर्धनात्मक कार्यकलाप। कला विकास/कला प्रोत्साहन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, आवक प्रदर्शनी, राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, कला, कला संचार और प्रसार पर प्रदर्शनी। अभिलेख और स्लाइड खर्च व्याख्यान और सेमीनार, शिविर और कार्यशालाएं। मुख्यालयः	अकादमी के मुख्य उद्देश्य देश के कला कार्यकलापों विशेष रूप से समकालीन कला के क्षेत्र में, कला के विकास के लिए कलाकार-समुदाय को बुनियादी अवसंरचना सम्बन्धी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।			राष्ट्रीय प्रदर्शनी-1 सीईपी के अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल कार्यक्रमों का आदान-प्रदान -5 बहिर्गामी प्रदर्शनी-5 आवक (इनकमिंग) प्रदर्शनियाँ-4 चल प्रदर्शनी-3 शिविर तथा कार्यशालाएं-10 व्याख्यान तथा सेमिनार-38 ललित कला अकादमी दीर्घा प्रदर्शनियाँ-150 कला संगठनों को सहायता अनुदान-25 कलाकृतियों का संरक्षण/ पुनरूद्धार-150 12वां भारत त्रैवार्षिक उत्सव -1 रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150 वीं जयंती-टैगोर की कृतियों की प्रदर्शनी-1 टैगोर के प्रकाशन/पोर्ट फोलियो-1, छात्रवृत्तियाँ-40 अध्येतावृत्ति -1 प्रकाशन-25 क्षेत्रीय कार्यक्रम-30 व्याख्यान-30 राष्ट्रीय कला उत्सव-1	प्रदर्शनियांः राष्ट्रीय -1 सीईपी के तहत शिष्टमंडल के आदान-प्रदान का कार्यक्रम-3 (विदेश में गये शिष्टमंडल 11) भारत आए प्रतिनिधिमंडल-4 जावक प्रदर्शनियां-3, आवक प्रदर्शनी-2, क्यूरोटिड/ चल प्रदर्शनी-3, शिविर और कार्यशालाएं-4, रेजिडेंसी कार्यक्रम में कलाकार-3, फिल्म-शो/ व्याख्यान/ कला विषय पर कलाकार-28, ललित कला अकादमी गैलरी में प्रदर्शनी-214, आरसी चेन्नई में प्रदर्शनी-39 आरसी लखनऊ में प्रदर्शनी-18 कला संगठनों के लिए सहायतानुदान-6 संरक्षण/पुनर्स्थापना/ कला कार्य-150 राष्ट्रीय संगोष्ठि-1 कुमारस्वामी मेमोरियल व्याख्यान-1 पुस्तकालय पुस्तकों की खरीद-77, रविन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं जयंती-कार्यक्रम, गुरूदेव रविन्दनाथ टैगोर विषय पर			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियॉँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	राज्य आकदमी और कला संगठनों को अनुदान, मुख्यालय कलावीथि और ए.सी.व्यय, बर्हिगामी प्रदर्शनी, विशेष प्रदर्शनियां, लोक जनजातीय और पारंपरिक कला का सर्वेक्षण, संरक्षण और पुनरूद्धार कला सर्वेक्षण, पूर्वोत्तर कार्यक्रमों के अतिरिक्त, कला उत्सव, XIX कॉमनवेल्थ खेल, कार्यक्रम और ढांचागत				आक्टेव -1 पूंजीगत कार्य -3 गढ़ी स्टूडियो, नई दिल्ली और क्षेत्रीय केन्द्र, चेन्नई का जीर्णोद्धार और दूसरे फेज का कार्य। राष्ट्रीय जनजातीय शिविर-1 जनजातीय और लोक प्रदशनी-1	सेमिनार; 'ए ग्लोबल पायोनियर'-1, टैगोर पर पोर्टफोलियो जारी करना-1, अध्येतावृत्ति-1, छात्रवृत्ति-40, प्रकाशन-9, क्षेत्रीय कार्यक्रम, लेक्चर/ फिल्मशो-54, शिविर और कार्यशाला-22, प्रदर्शनी-3, कला उत्सव-1, कलाकार रेसीडेंसी कार्यक्रम-8, गढ़ी स्टूडियों, नई दिल्ली का नवीकरण कार्य पूरा किया गया। <u>उत्तर पूर्व कार्यक्रम</u> चित्रकारी शिविर शिलांग 10वां राष्ट्रीय कला उत्सव, गंगटोक ऑक्टेव 2013-जोधपुर क्षेत्रीय संस्थापन शिविर-सिलचर।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियॉं (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सुविधाएं रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती के कार्यक्रम, अध्येता वृत्तियां और छात्रवृत्तियां और प्रकाशन और प्रलेखन, पूवोत्तर क्षेत्रीय केंद्रों के कार्यक्रम, कोलकाता, गढ़ी में नए क्षेत्रीय केंद्रों की स्थापना।								

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
5.	**साहित्य अकादमी**	भारतीय साहित्य का 24 भाषाओं में प्रकाशन तथा संवर्धन कार्य करना। कोलकाता, मुंबई और बैंगलुरू में स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों और नई दिल्ली में स्थित पुस्तकालयों का निर्माण और उन्नयन करना।	7.50	12.00	स्थापना शीर्ष के अंतर्गत गैर योजना बजट से सीजीएचएस अंशदान, चिकित्सा व्यय, किराया, दर और कर, सेवानिवृत्ति लाभ के भुगतान भी किए जाते हैं।	गैर योजना बजट से आकस्मिक व्यय और किराया, दर और कर पर व्यय (इसके क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए सहित) भी पूरे किये जाते हैं।	8.66	14.50	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए किया जाता है।
(i)	पुस्तकालयों तथा सूचना सेवाओं का उन्नयन	एक ही स्थान पर भारत के लेखकों और साहित्यिक कार्यकलापों के बारे में मूल सूचना को अद्यतन करना तथा पाठ्कों/प्रबुद्ध व्यक्तियों को पुस्तकों की समग्र श्रृंखला प्रदान करना, दृश्यों की आधुनिक अभिलेखागार यूनिट सहित साहित्य के क्षेत्र में प्रख्यात लेखकों तथा			विदेशी प्रकाशनों सहित 24 भाषाओं में पुस्तकों की खरीद जारी रहेगी। वृत्त चित्रों का निर्माण करने के लिए प्रलेखन और पुस्तक सूची केन्द्र जारी रहेंगे। लेखकों पर 10 वृत्तचित्र बनाये जाएंगे। विभिन्न सेमिनार कार्यक्रमों के ऑडियो टेपों की सूची तैयार करने का काम किया जा रहा है जिसे अंकीकृत किया	(क) पुस्तकालयों का विकास और अध्ययन कक्ष पर व्यय। i. विदेशी पुस्तकों सहित 2250 पुस्तकें खरीदीं। ii. 75 पत्रिकाओं और जरनल (मुख्य कार्यालय, और तीन क्षेत्रीय कार्यालय पुस्तकालय) iii. कोलकाता, मुंबई, बैगलूरू और मुख्य कार्यालय में तीन क्षेत्रीय			

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		विद्वानों पर वृत्तचित्र बनाना।			जाएगा। अभिलेखागार यूनिट का कार्य अकादमियों की वेबसाइटों से जोडा जाएगा। आवश्यकताओं के अनुकूल इस यूनिट को बेहतर आधुनिक गजटों से सुसज्जित किया जाएगा। भारतीय साहित्य विश्व कोश को अद्यतन करने का कार्य जारी रहेगा। भारतीय लेखकों के विवरण (हूज़ ऑफ हू) का संशोधन और इसके हिंदी संस्करण का प्रकाशन तथा अन्य साहित्यिक कार्यों को शुरू किया जाएगा।	कार्यालयों में कम्प्यूटर, प्रिंटर खरीदे गए। (ख) प्रलेखन और ग्रंथ सूची केन्द्र i. पांच भाषाओं में रेट्रो रूपांतर पूरा कर लिया गया है। ii. ग्रंथ सूची परियोजना के अंतर्गत रवीन्द्र नाथ टैगोर की महत्वपूर्ण कृतित्व सूची प्रकाशित कर दी गयी है और पूर्वोत्तर साहित्य प्रकाशन की प्रक्रिया में है) (ग) भारतीय लेखकों का हूज़ ऑफ हू। यह एक चालू परियोजना है।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	प्रकाशन स्कीम	अकादमी के बुनियादी उद्देश्य को पूरा करना भारतीय साहित्य के प्रसार और अन्य भाषाओं में भारतीय साहित्य की उत्कृष्ट कृतियों को उनकी भाषाओं में बहुभाषी समाज उपलब्ध कराना, साहित्य का इतिहास, भारतीय लेखकों पर मोनोग्राफ्स, महत्वपूर्ण भारतीय तथा विदेशी महत्वपूर्ण ग्रंथों का अनुवाद, काव्य, लघु कथाओं, एकांकी नाटकों, साहित्यिक निबंधों आदि के संग्रह।			इसमें अकादमी की पुस्तकों, तीन पत्रिकाओं का प्रकाशन, महत्वपूर्ण पुस्तकों का पुनर्मुद्रण और विदेशी भाषाओं में संग्रहों का प्रकाशन, आधुनिक भारतीय साहित्य के गौरव ग्रंथ शामिल हैं। यह स्कीम अकादमी के बुनियादी उद्देश्यों की पूर्ति हेतु है। अर्थात भारतीय साहित्य का प्रसार करना तथा बहुभाषी समाज के पाठकों को अन्य भाषाओं से देश की साहित्यिक श्रेष्ठ कृतियां उपलब्ध कराना। इस स्कीम में *नेशनल बिबलियोग्राफी ऑफ इंडियन लिटरेचर* को अद्यतन बनाने पर भी विचार किया गया है। *ऐन्युअॅल ऑफ इंडियन लिटरेचर एण्ड समकालीन भारतीय साहित्य,* प्रत्येक को 10 भाषाओं में प्रकाशित किया जाएगा।	(क) साहित्य अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भारतीय भाषाओं में पुनर्मुद्रण सहित 329 पुस्तकों को प्रकाशित किया गया है। (ख) भारतीय साहित्य के-6 अंक और समकालीन भारतीय साहित्य के-6 अंक प्रकाशित किए गए हैं। (ग) 101 लेखकों को रॉयलटी का भुगतान किया गया।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	साहित्यिक समारोह तथा कार्यक्रम	महान लेखकों की जयंतियाँ मनाना। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों, लेखक शिविरों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों आदि का आयोजन करना। लेखकों को लेखकों, व्यक्तियों और पुस्तकों इत्यादि से रूबरू होने संबंधी कार्यक्रम आयोजित करके समय-समय पर इकट्ठा होने के लिए एक मंच प्रदान करना।			अकादमी विभिन्न क्षेत्रों में 50 साहित्यिक मंच बैठकें आयोजित करेगी। 10 मनुष्य और पुस्तके, 5 अस्मिता, 10 कवि संधि, 5 काव्य संध्या, 20 मुलाकात, 10 कथा संधि, 20 मेरे झरोखे से, 5 आविष्कार, आगन्तुक लेखकों द्वारा 5 व्याख्यान, अन्य साहित्यिक सम्मेलन आदि 75 सेमिनार और 125 साहित्यिक मंचों का आयोजन, देश के विभिन्न भागों में किया जाएगा।	(क) शताब्दी समारोह, सेमिनार और लेखक कार्यशालाएं, अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, 76 सेमिनार, परिसंवाद, सम्मेलनों, 67 साहित्यिक मंच बैठकों, प्रवासी मंच, राजभाषा मंच, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों, पुस्तक विमोचन कार्यक्रमों, 13 कार्यशालाओं, 11 लेखकों से भेटवार्ता कार्यक्रम, 10 मेरे झरोखे से, 6 लोकवार्ता 3 मुलाकात, 11 कथासंधि, 11 कवि संधि, 3 अस्मिता कार्यक्रमों, 3 मनुष्य और पुस्तके आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुए / आयोजित किए गए।			
(iv)	सीईपी के अंतर्गत लेखकों को सेवाएं/ अवार्ड प्रदान करना	सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय भाषाओं में सृजनात्मक युवा और पुराने लेखकों के अन्य देशों के			अकादमी की स्कीम के तहत 100 युवा लेखकों को अपने स्वयं के क्षेत्र से भिन्न देश के अन्य भागों का दौरा करने के लिये यात्रा अनुदान प्रदान किया	(क) लेखकों को यात्रा अनुदान दिया गया है। (ख) साहित्यिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		दौरे को सुगम बनाना तथा विदेशी लेखक प्रतिनिधि मंडल की मेजबानी करना, उन साहित्यिक कृतियों को पुरस्कृतिक करना जो अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त सभी 24 भारतीय भाषाओं में प्रशंसा और प्रोत्साहन पाने के योग्य हैं, भारतीय साहित्य में उनके योगदान को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रमुख लेखकों को मानद अध्येतावृत्तियां प्रदान करना।			जाएगा। अकादमी विभिन्न सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों में भागीदारी करेगी। अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भारतीय भाषाओं के लेखकों को वार्षिक पुरस्कार दिये जाएंगे। पुस्तकों के लेखकों/कापीराइट धारकों को रॉयल्टी और पारिश्रमिक का भुगतान किया जाएगा। रेजीडेंस लेखकों के लिये स्कीम के तहत अनुदान जारी रखा जाएगा। जीवित अध्येताओं, विख्यात लेखकों इत्यादि को इस स्कीम के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। अकादमी विभिन्न देशों में आईसीसीआर संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जा रहे विभिन्न भारतीय महोत्सवों, सहयोगात्मक कार्यक्रमों तथा पुस्तक मेलों में भी सक्रिय रूप से भागीदारी करेगी।	(ग) अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में लेखकों को वार्षिक पुरस्कार। (घ) जनरल कांउसिंल की बैठकों, कार्यकारी बोर्ड की बैठकों, वित्त समिति की बैठकों, 24 भाषा के सलाहकार बोर्ड की बैठकों में उपस्थित होने के लिए सदस्यों को यात्रा भत्ता प्रदान किया गया है। (ड.) 36 राज्य अकादमियों को सहायता दी गयी। (च) रायटर्स इन रेजिडेंस कार्यक्रम के अंतर्गत लेखकों को वजीफा दिया गया है। (छ) 2 प्रमुख भारतीय लेखकों जो पुरानी बीमारियों से ग्रसित हैं, चिकित्सा सहायता प्रदान की गयी है।			

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(v)	अकादमी के प्रकाशन/पुस्तक प्रदर्शनी का संवर्धन	अकादमी के प्रकाशनों की बिक्री बढ़ाने, साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से अकादमी के प्रकाशनों को विज्ञापित करने; क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुस्तक प्रदर्शनियाँ आयोजित करने और उनमें भाग लेने के लिए गहन प्रयास करना इसका उद्देश्य है।			अकादमी अपने बुनियादी उद्देश्य को पूरा करने में अपनी विक्रय संभाव्यता का विकास करने के लिए राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पुस्तक प्रदर्शनियों में भाग लेगी और विज्ञापन के माध्यम से इसका प्रचार करेगी। इसके अतिरिक्त यह अनंतिम शहर/कस्बा आधारित पुस्तक प्रदर्शनियों में भी भाग लेगी। सेमिनार/साहित्यिक कार्यक्रमों के दौरान पुस्तक प्रदर्शनियां भी लगाएगी।	राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 118 से अधिक पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया और अकादमी के प्रकाशन की बिक्री को बढ़ाने के लिए इतनी ही संख्या में विज्ञापन/ प्रचार किया गया।			
(vi)	अनुवाद स्कीम, क्षेत्रीय साहित्यिक अध्ययन परियोजनाएं, भाषाओं का विकास, अध्येतावृत्ति : कुमार स्वामी और प्रेमचंद, बाल साहित्य पुरस्कार और	स्कीम का साहित्यिक कार्यकलाप इसका केन्द्र बिन्दु है जिसके अंतर्गत 24 भाषाओं में अनुवाद पुरस्कार वार्षिक रुप से प्रदान किए जाते हैं। अंतरक्षेत्रीय अध्ययन करने के लिए 4 क्षेत्रीय बोर्ड गठित किए गए हैं। यह 24 मान्यता प्राप्त भाषाओं का विकास और संवर्धन करेगा। भाषाओं के विकास के लिए बडोदा में			अनुवाद केन्द्रों की कोलकाता शाखा और बैंगलोर स्थित 'सबदाना' द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं और अंग्रेजी में 10 पुस्तकें प्रकाशित होने की आशा है। 24 भाषाओं में महत्वपूर्ण पुस्तकों का अनुवाद जारी रहेगा और 24 भाषाओं में सर्वश्रेष्ठ अनुवाद को अनुवाद पुरस्कार दिया जाना जारी रहेगा। चार भाषाओं में भाषा सम्मान प्रदान कर क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाओं को भी	(क) बंगलोर और कर्नाटक में अनुवाद केन्द्र। इन केन्द्रों ने प्राचीन पूर्व-आधुनिक और आधुनिक भारत के कालजयी ग्रंथों का अनुवाद कार्य शुरु किया है तथा नियमित कार्यशालाओं का संचालन भी किया है। (ख) अनुवाद पुरस्कार - 24 भाषाओं में अनुवाद पुरस्कार 2011 प्रदान किए गए। (ग) अनुवादित पुरस्कार विजेता			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	युवा पुरस्कार	अकादमी द्वारा एक परियोजना कार्य स्थापित किया गया है और यह विभिन्न साहित्यिक कार्यकलाप आयोजित करता है तथा अनुवाद की कार्यशालाएं चलाता है। विशिष्ट अवधि के लिए विदेशी लेखकों/विद्वानों को भारतीय साहित्य/भाषाओं में उनकी साहित्यक जागरूकता का विकास करने के लिए आमंत्रित किया जाता है, युवा सृजनात्मक लेखकों/ बच्चों को भी पुरस्कार प्रदान करना।			मान्यता प्रदान करना जारी रखा जाएगा। वर्ष 2012-13 के दौरान 10 सेमीनार और पांच कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। अगरतला में एनईआर में स्थित परियोजना कार्यलय उपर्युक्त सभी कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखेगा। बाल साहित्य को प्रोत्साहित करने तथा युवा लेखकों को प्रेरित करने के लिए विदेशों में स्थित भारतीय मिशन के द्वारा कुमार स्वामी और प्रेमचंद अध्येतावृत्तियां कार्यान्वित की जाएंगी। अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भारतीय भाषाओं में बाल साहित्य पुरस्कार तथा युवा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।	पुस्तकें - क्षेत्रीय अंतरक्षेत्रीय और राष्ट्र स्तरीय कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और लेखक भेंटवार्ता का आयोजन किया गया। वर्ष के दौरान कार्यशालाएं तथा चार क्षेत्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। - विभिन्न भाषाओं में तीन लोगों को भाषा सम्मान प्रदान किया गया। जनजातीय साहित्य पर आवधिक कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन किया गया और बहुत से प्रकाशन निकाले गए। - डॉ. आनंदा कुमारा स्वामी तथा प्रेमचंद अध्येतावृत्ति के अंतर्गत पात्र अध्येताओं को अध्येतावृत्ति अभी दी जानी है।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vii)	प्रशासनिक कार्यकलाप का आधुनिकीकरण और सुधार	इसका उद्देश्य मुख्य कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में साहित्यिक जगत क्षेत्र में कम्प्यूटरीकृत अनुप्रयोग प्रदान करना है। पुराने और बेकार उपस्कर/कम्प्यूटरों को बदला जाना है।			अकादमी के कम्प्यूटरीकृत कार्यक्रम को, विशेष रूप से पुस्तकालय सेवाओं, डाटाबेस, ग्रंथ सूची, पुस्तक सूची, सूचीकरण और सुगमीकरण के क्षेत्रों में नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी के साथ अद्यतन बनाया जायेगा। इस संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।	(क) कम्प्यूटरीकरण i. मुख्य कार्यालय, विक्रय कार्यालय और सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में एएमसी सहित कम्प्यूटरों, प्रिंटरों की खरीद की। . भारतीय साहित्य, समकालीन भारतीय साहित्य मुख्य कार्यालय के साथ सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के विक्रय अभिलेख का कम्प्यूटरीकरण प्रगति पर है। कार्यालय का सुधार और रखरखाव। क्षेत्रीय कार्यालय और मुख्य कार्यालय में फर्नीचर की खरीद की। अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। फोटोकॉपी मशीन फैक्स मशीन ईपीबीएक्स की एएमएसी सहित खरीद। स्टेशनरी मदों की खरीद।			
(viii)	नयी परियोजनाएं/	इसका उद्देश्य विद्वानों, पुस्तकालयाध्यक्षों, प्रकाशकों			अकादमी द्वारा पहले से ही प्रारंभ, 24 भाषाओं के ग्रंथ	दो खंडों में अंग्रेजी और तमिल के एनबीआईएल पहले			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	स्कीम : भारतीय साहित्य की राष्ट्रीय ग्रंथ सूची, भारतीय साहित्य का विश्वकोश, भारतीय श्रेष्ठ कृतियों का यूरोपीय भाषाओं में अनुवाद भारतीय भाषणों का संकलन	और उन लोगों को सेवा प्रदान करना है जो संदर्भ के मूल्यवान साधन के रूप में पुस्तक संसार में अभिरूचि रखते हैं। विश्वकोश के माध्यम से भारतीय साहित्य के विकास को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करना। असंबद्ध सामग्री के कतिपय निकाय से संबंधित विचारों की व्यापक विविधता को एक साथ लाना।			सूची संबंधी आंकडों का संकलन पुस्तक रूप में और सीडी के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। विश्वकोश के 6 प्रस्तावित खंडों में से स्थायी समिति द्वारा अंतिम निर्णय लिया जाएगा। विदेशी भाषा के प्रमुख अनुवादकों द्वारा भारत की श्रेष्ठ कृतियों का अनुवाद किया जाएगा जिसके लिए अकादमी विदेशी भाषाओं में कृतियों के प्रकाशन हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। आधुनिक भारतीय कविता और महात्मा गांधी के लेखन के संग्रह से जुडी चार अलग-अलग परियोजनाओं का प्रारंभ करना।	ही प्रकाशित हो चुके है। - प्रो. अय्यप्पा पाणिकर के सम्पादकीय नेतृत्व में विश्वकोश का संशोधन कार्य शुरू किया गया। - वर्तमान में प्रो. इन्द्रनाथ चौधरी इसके प्रधान संपादक के रूप में इस परियोजना से जुड़े हैं। संशोधित संस्करण का प्रथम और द्वितीय खंड प्रकाशित किया गया। - साहित्य अकादमी संग्रह विज्ञान से जुड़ी 4 पृथक परियोजनाओं का संचालन कर रही है।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ix)	दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा आबंटित भूखंड पर कार्यालय भवन का निर्माण	इसका उद्देश्य विक्रय कार्यालय के लिए तहखाने में एक अलग गोदाम और प्रथम तथा द्वितीय तल पर कार्यालय बनाना है।			दिल्ली विकास प्राधिकरण ने एचएएफ, सेक्टर 11 द्वारका में 2011.65 वर्गमीटर का भूखंड पहले ही आबंटित कर दिया है। निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।	दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने एचएएफ, पॉकेट-बी, सेक्टर 11 द्वारका नई दिल्ली, में 2011.65 वर्गमीटर का भूखंड आवंटित किया था। तहखाने में एक गोदाम बनाने का प्रस्ताव है और प्रथम तल और द्वितीय तल पर स्थित कार्यालय का उपयोग लेखकगृह के रूप में किया जाएगा।			
6.	**भारत महोत्सव**	चुनिंदा बाहरी देशों में प्रमुख सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करना ताकि और अधिक समझ और सहयोग बढ़ सके।	2.00	--	कला/संग्रहालय प्रदर्शनियां, साहित्यिक सेमिनार, मंचकला/प्रस्तुतियां/सेमिनार/ कार्यशालाएं, साहित्यिक कार्यकलापों का आयोजन।	वर्ष के दौरान कोई भारत महोत्सव / दिवस नहीं मनाया गया।	--	--	
7.	**इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आई जी एन सी ए)**	आईजीएनसीए की स्थापना भारत की भूतपूर्व प्रधानमंत्री, स्वर्गीया श्रीमती इंदिरा गांधी की स्मृति में की गई थी। इसे कलाओं के क्षेत्र में शोध, शैक्षिक रूचि तथा प्रसार के केन्द्र के रूप में परिकल्पित किया गया था।	0.00	25.00			--	28.63	
(i)	**क. बहु-विषयक**	इसके शोध कार्यक्रम को बढ़ाना तथा मूल पाठों,			निम्नलिखित आयामों का अध्ययन :	केटीके खंड 7 के लिए आर्टिकल की प्रूफरीडिंग /			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	शोध तथा विविध कलाओं के बीच महत्वपूर्ण संवाद का संवर्धन	सन्दर्भ पुस्तकों, शब्दावलियों, शब्दकोशों, विश्वकोशों, भारतीय कलाओं के तुलनात्मक इतिहास, मूल शब्दों के विश्वकोष, अन्तर-उपभाषा, अन्तर-विषयक शब्दावलियों तथा शब्दकोषों का प्रकाशन, कला और विज्ञान के बीच संबंधों की खोज, भारत तथा विश्व की कलाओं के बीच आयामों और संबंधों की खोज, पूर्वोत्तर तथा इसके सांस्कृतिक आयामों पर विशेष बल।			(क) पहचान के बहु आयामी स्तर तथा कलाओं में उनकी अभिव्यक्ति (ख) भाषा तथा सांस्कृतिक विविधता (ग) बुद्धिमत्ता की परंपरा, पारिस्थितिकी, संसाधन प्रबंधन एवं सतत् विकास (घ) धार्मिक पहचान, परम्पराओं तथा सामासिक संस्कृतियों का संगम (ङ) अन्तर-संस्कृति संवाद (च) भारतीय कला तथा				
	ख. आईजीएनसीए में कार्यालय उपस्कर का आधुनिकीकरण।	नवीनतम भवन की डिजाइन और संरचना को ध्यान में रखते हुए कार्यालय को फर्नीचर और उपस्कर से सुसज्जित रखना।							

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		मानव विज्ञान पुस्तकालयों का अनुरक्षण करना तथा संग्रहालय को भी उसे सुदृढ़ करके एवं क्षेत्रीय संरचना के जरिए सुदृढ़ीकरण| भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रलेखन के भाग के रूप में विशिष्ट धारणा पर नृजाति वर्णन फिल्मों का भी सर्वेक्षण|			के निर्माण द्वारा दृश्य नृविज्ञान यूनिट का विकास करना और डिजिटल पुरालेख के माध्यम से अनुसंधान और पारस्परिक विचारविमर्श को सुगम बनाना। डिजिटल अचल फोटोग्राफी के जरिए प्रलेखीकरण और डिजिटल पुरालेख के बाद नेटवर्किंग के जरिए आंकड़ों की उपलब्धता। आंकड़ों का डिजिटीकरण और इन्हें डब्ल्यूआरसी उदयपुर में रखना तथा इसे नेटवर्किंग सिस्टम के जरिए उपलब्ध	में सभी पुस्तकालयों के सुधार और डिजिटलीकरण का कार्य तेजी से कार्य किया जा रहा है ताकि कोलकाता स्थित मुख्यालय पुस्तकालय के साथ इस सर्वेक्षण में अन्य क्षेत्रीय पुस्तकालयों के साथ नेटवर्किंग सुगमहो। नियमित अन्तरालों में विभिन्न पुस्तकें, राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय पत्र /पत्रिकाओं की अधिप्राप्ति की जाती है। राष्ट्रीय संग्रहालयों का संरक्षण और प्रलेखीकरण्			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					कराना। संग्रहालयों का सुदृढ़ीकरण तथाजैव सांस्कृतिक विरासत के बेहतर प्रदर्शन के लिए आन्तरिक कार्यप्रणाली का विकास करना। ज्ञान के प्रसार के लिए सुदूर इलाकों में सर्वेक्षण सामग्री के साथ प्रदर्शनियों में बढ़ोतरी करना। सर्वेक्षण की वैबसाइट का उन्नयन । 16 एमएम दृश्य डॉक्यूमेट्री फिल्मों को बेटा-कैम फार्मेट में परिवर्तित करने हेतु	तथा क्षेत्रीय संग्रहालयों का इसके संग्रहालयों के सुद्ढीकरण के साथ निरन्तर रखरखाव। संग्रहालयों का विकास प्रगति पर है। सभी क्षेत्रीय/ उप क्षेत्रीय केन्द्रों के पहचान किए गए फोटोग्राफिक निगेटिव्ज के डिजिटाइजेशन का कार्यप्रगति पर है। एसआरसी, जगदलपुर में ओपन एअर डिसप्ले में अबुज मारीया घोटुल नामक महत्वपूर्ण स्मारक का जीर्णोद्धार कार्य। इस			

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					अन्तरण कार्य और 10000 श्रव्य कैसेटों को जारी रखना। प्रदर्शनी के दौरान फिल्में भी दिखाई जाएंगी और लोक गीतों के श्रव्य कैसेट और अन्य भावाभिव्यक्तियों का उपयोग अनुसंधान उद्देश्यों हेतु किया जाएगा।	सर्वेक्षण में इसके कार्यालयों से विभिन्न अधिकारियोंको प्रतिनियुक्ति पर लगाया गया जिसमें मुलु कुरुम्बा (एसटी) का विवाह समारोह शामिल था जो नीलगिरी जिला, तमिलनाडु में सैटिल हैं और बस्तर तथा ओडिशा के क्षेत्र जोनल से जुड़े हैं। संग्रहालय ने भारत, कोलकाता में जीवन और संस्कृति थीम पर प्रदर्शनी भी आयोजित की तथा जनजातीय : विकास और			

परिणाम बजट 2014–15
अध्याय IV (क) – विगत वर्ष–2012–13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						प्रभाव पर जगदलपुर में प्रदर्शनीभी आयोजित की। बस्तर जगदलपुर के मधोटा में जत्रपुजा उत्सव का दृश्य प्रलेखीकरण भी आयोजित कियागया।सर्वेक्षण ने अपने विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में अन्तरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस का भी आयोजन किया और साथ ही संग्रहालय तथा बदलते विश्व पर प्रदर्शनी का भी निष्पादन किया। सर्वेक्षणकी एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बेनिपुतुल दृश्य			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						नृविज्ञान के अन्तर्गत पूर्ण की गयी। दृश्य प्रलेखीकरण कार्य के लिए पश्चिम बंगाल के नाडिया जिले में अनुसंधानकर्ताओं की एक टीम को प्रतिनियुक्ति पर लगायागया। इसने कम्यूनिटी जेनेटिक्स और हैल्थ , 21वीं शताब्दी की सुनामी आपदा पर भी प्रदर्शनियों आयोजित की। सर्वे ने दूसरे साइंस एक्सपो, 2013 में भाग लिया जिसका आयोजन रमन साइंस सेंटर,			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						नागपुर में किया गया था। इसने असहाय जनजातीय समूहों के एक्शन फोटोग्राफ जीवन चक्र को गतिशील बनाने के लिए नेशनल व्हाइट फोटोग्राफिक डाक्यूमेंटेशन (पीटीजीएस) का कार्य भी हाथ में लिया। इसमें समुदाय की घरेलू पोशाकों, आभूषण, लेंडस्केप ,सेकर्ड ग्रोव, शारीरिक विशेषताओं आदि को भी शामिल किया गया।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	शिक्षावृत्ति कार्यक्रम	इस समय सर्वेक्षण के पास 47 अध्येता हैं| इसका उद्देश्य 29 अतिरिक्त अध्येतावृत्ति सहित कुल अध्येतावृत्ति को 76 तक ले जाना है, क्योंकि ये देश में संसाधन की मानव-शक्ति विकास का महत्वपूर्ण घटक हैं|			सभी भर्ती किए गए फैलोज को राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यमें नियोजित किया जाएगा।	तैनात किए गए अनुसंधान फैलोज को अनुसंधान अध्ययनों में लगाया जाताहै जो सम्बन्धित प्रमुख अन्वेषकों/ समन्वयकों/ मुख्यालयों के पर्यवेक्षण के अधीन इस सर्वेक्षण की विभिन्न राष्ट्रीय योजना परियोजनाओं/ स्कीमों में उनकी सम्बद्धता के अनुसार होता है। इस सर्वेक्षण के विजिटिंग फैलो ज ने 5 से 9 नवम्बर,2012 को आयोजित ' सेंटर ऑफ			यह एक सतत प्रक्रिया है।

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						एडवांस स्टडी इन एंथ्रोपोलोजी ' कार्यक्रम में भाग लेनेके लिए उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर की यात्रा की।			
(iii)	जनशक्ति प्रशिक्षण/ सलाहकार/ कार्यकारी समिति/विशेषज्ञों की बैठकें	विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बैठके करने और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना आवश्यक है जिनमें बाह्य विशेषज्ञ शामिल			विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं जिनमें प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा बाह्य विशेषज्ञों का प्रशिक्षण भी शामिल है, के कार्यान्वयन हेतु ईसी की कम से कम 4 कार्यकारी परिषद की बैठकें और	सांस्कृतिक मानविकी की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी और 12वीं आयोजना परियोजनाएं को अन्तिम रूप दिया गया।इसकेअलावा सांस्थनिक नीतिसमिति की बैठक आयोजना			सर्वे ने विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के सम्पादन के लिए जनशक्ति की आउटसोर्सिंग करना प्रारम्भ कर दिया है,ऐसा

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		होंगे| इसके अलावा कार्यकारी परिषद की आंतरिक बैठकें की जाएंगी|			आन्तरिक बैठकें आयोजित करना प्रस्तावित है। सर्वे की राष्ट्रीय परामर्शी समिति की वर्ष के दौरान दो बैठकें भी आयोजित की जाएंगी। इसमें प्रशासनिक स्टाफ का प्रशिक्षण, स्कॉलर/फैलोज का विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना भी शामिल है। यह राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से विभिन्न संस्थानों, विश्वविद्यालयों आदि में मानविकीय अनुसंधान की रुचि को	परियोजनाओं और फैलोशिप कार्यक्रम की समीक्षा हेतु भी आयोजित की गयी। एशिया कॉआपरेशनडायलॉग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में भाग लिया। साथ ही सर्वे से एक वरिष्ठ अधिकारी को भोपालमें आयोजितआईजीआरएमएस की एफसी की 43वीं बैठक में भाग लेने के लिए नामित कियागया। साथ ही एनडब्ल्यूआरसी देहरादून स्थित एएसआई द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम			जनशक्ति की भारी कमी की वजह से किया गया है और यह जारी रहेगा। जर्नल मोनोग्राफ रिसर्च रिर्पोर्टो का प्रकाशन और आकस्मिक प्रकाशन न्यूजस्लैटर्स द्विवार्षिक जर्नल ।

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					विस्तार देने तथा आपसी विचारों के आदान-प्रदान हेतु विभिन्न कार्यशालाएं/सम्मेलन,प्रशिक्ष ण ण कार्यक्रम जारी रखेगा। सर्वे के विभिन्न कार्यों का कम्प्यूटरीकरण सर्वर बेस इंटरनेट सर्विस का निर्माणकरेगाजिसमें प्रयोगशाला सूचनाप्रणाली भी शामिलहै।	में भी भाग लिया। 2. डब्ल्यूआरसी उदयपुर से स्कालर ने जनजातीय विकास सम्बन्धी संगोष्ठियों में भाग लियाजो उदयपुर स्थित पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ ट्राइबल डिवलपमेंट में आयोजितकी गयी। एएसआई ने नृविज्ञान सम्बनधी बैठकें/ संगोष्ठियों कार्यशालाओंमें भाग लेनेके लिए अपनेअधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया। सर्वे ने सेमिनार के			

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						आयोजन के लिए कल कत्ता विश्वविद्यालय,कोलकाता को शैक्षणिक सहायताउपलब्ध करानेके लिए सहयोगप्रदान किया। सर्वे ने एंथ्रोपोलोजिस्ट एंड फिल्ममेकर व्यू सिक्किम पर एक सेमिनारतथा फिल्म शो में भी सहयोग प्रदान कियाजो विद्यासागर विश्वद्यालय मेदिनीपुरमेंआयोजित किया गया। . सर्वेने स्वास्थ्य देखभालमें आयुष और			

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						एथ्नो -मेडिकल सिस्टम की भूमिका के सम्बन्ध में राष्ट्रीय संगोष्ठी/बैठक/ सम्मेलन में भी सहयोग दिया जो हसन मैसूर में एसआईएमए द्वाराआयोजितकियागया था। एक्शन एंथ्रोपोलोजी ट्रैडिशनल नॉलेज जनजातीय औषधि और विकास आदि पर भी सेमिनार का आयोजन गया। -सर्वे ने भारत में सतत विकास हेतु रिऑरिएंटिंग जियोग्रा फी एजूकेशन और ट्रेनिंग सम्बन्धी एक			

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						राष्ट्रीय सेमिनार में भी सहयोग दिया जिसे बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा हसन में आयोजितकियागयाथा। - सर्वे ने बदलते विश्व में बाल और युवा पर आईयूएईएस-2012 को इंटर कांग्रेस को सहयोग प्रदानकिया जिसे केआईएसएस कैम्पस,किट विश्वविद्यालय,भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। - सर्वे ने कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी द्वारा आयोजित			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						राष्ट्रीयसेमिनारमें सहयोग प्रदानकियाजो 20 से 22 दिसम्बर, 2012 को आयोजित किया गया था जिसमें सर्वे स्कॉलरों ने भाग लिया था। -इसने स्नायुतंत्र विज्ञान बंगुर संस्थान ,पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता के साथ सहयोग के निष्पादन हेतु एमओए निष्पन्न किया। मुख्यालय, कोलकाता से एक वरिष्ठ अधिकारी मैसूर भेजागयाजिसने मैसूर में मैसूर में सहयोगी			

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						संस्थाओंकेसाथ समझौता ज्ञापन के सम्बन्ध में चर्चा तथा उसे अन्तिम रूप देने के लिए विचारविमर्श किया। -"भारत के लोग" राज्य वॉल्यूम ओडिसा ,एमपी नामक प्रकाशनकार्य प्रगति पर है। एसआरसीआई ,मैसूर के स्कॉलरों ने पीके: मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत परियोजना के अन्तर्गत रिपोर्ट प्रस्तुत की जिन्हें सम्पादित कियाजा रहा है। 'सामाजिक प्रभावमूल्यांकन 'परियोजनाओं के अधीन 6			

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सहयोगी योजना सूचना और प्रौद्योगिकी प्रकाशन	यह सर्वे कार्यशालाओं/ सम्मेलनों,प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के विभिन्न राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग जारी रखेगा। सर्वे के विभिन्न कार्यों का कम्प्यूटरीकरणजिसमें प्रयोगशाला सूचना प्रणाली शामिल है, सर्वर				रिपोर्ट नियोजित स्कॉलरों द्वारा प्रस्तुत की गयीं और जिन्हें प्रकाशनीय स्वरूप में सम्पादित किया जा रहा है।			

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		बेस इंटरनेट सर्विस तैयार करेगा।							
(iv)	डीएनए प्रौद्योगिकी शुरू करना डीएनए बैंकिंग कम्यूनिटी जेनेटिक्स	सर्वेक्षण में विकसित डीएनए अध्ययन में वृद्धि करना और डीएनए बैंकिंग का अनुरक्षण करना। पीसीआर स्तर तक डीएनए प्रौद्योगिकी और उदयपुर, देहरादून डीएनए बैंकिंग प्रयोगशाला सुविधाओं का विकास करना। देश में मानव जेनेटिक संसाधनों के प्रबन्धन के लिए नियामक तंत्र को विकसित करना और आईपीआरतथा			भौतिक नृविज्ञान प्रयोगशालाओंके आधुनिकीकरण के भाग के रूप में यह सतत स्कीम है सर्वे ने सर्वोत्कृष्ट उन्नत सुविधाओं के सृजनकाकाम भी हाथ में लिया है सर्वे समुदायों की सांस्कृतिक प्रक्रियाओं के साथ जेनेटिक्स और स्वास्थ्य समेकन के सम्बन्ध में राष्ट्रीय कार्यक्रम का कार्यान्वयन कर रहा है।	इस सर्वे में सभी डीएनए प्रयोगशालाओं का वार्षिक रखरखाव जारी है। डीएनए प्रयोगशालाओं में नयी तकनीकों को शामिल करने की पहल की गयी है। देश के विभिन्न भागों से डीएनए नमूनों का संग्रहण और भंडारण इस सर्वेक्षण के डीएनए प्रयोगशालाओं में इनके विश्लेषण हेतु बराबर किया जा रहा है।			इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है|

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	एंड हैल्थ	नीतिगत मुद्दों की रक्षाहेतु तंत्र विकसितकरना।			डीएनए सैम्पल का संग्रहण और भंडारण सभी क्षेत्रीय केन्द्रों और मुख्यालय के डीएनए कार्यालय में सतत रूप में किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर डीबीटी आईसीएमआर और डीएसटी के साथ मानव जेनेटिक संसाधन भंडार की स्थापना करना।	अनुसंधान स्कॉलर आंकड़ों के विश्लेषणमें लगे हैं और लिखित रूप में फील्ड जांच की रिपोर्ट देते हैं। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम के दयातपुर ग्राम पंचायत में इस सर्वेद्वारा 29 और 30 अगस्त 2012 को जागरूकता और थलेसिमिया स्क्रीनिंगकैम्प का आयोजन कियागया तथा लगभग 170 रक्त नमूनों को एकत्रकिया गया और जिनका विश्लेषण कियाजारहा है। संग्रहितरक्त नमूनों को			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						डीएनए प्रयोगशालाओं में थलेसिमिया लक्षण की सक्रीनिंग हेतु विश्लेषितकिया जाना जारी है। एमवाईएफएडीएस के अन्तर्गत रक्त और मूत्र नमूनों और अन्य आंकड़ोंकासंग्रहण का कार्य भी हाथ में लियागया है जिसमें विश्लेषण अनुसंधान अध्ययन जारीहै।			
(v)	समकालीन भारतीय आबादी तथा	सांस्कृतिक पद्धति के संदर्भ में समकालीन भारतीय जनसंख्या के			मानव जीनोम विविधता के आलोक में भारतीय आबादी पर जो मूलभूत जानकारी	उपभोज्य वस्तुओं की अधिप्राप्ति प्रयोगशाला विश्लेषण अध्ययनों हेतु			इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों की भविष्यवाणी

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्राचीन कंकाल सामग्री की डीएनए बहुरूपता	डीएनए पोलिमोरफिज्म की समझबूझ मानव जिनोम अनुसंधान में हाल ही के विकास की दृष्टि में जीवन और पर्यावरण आवश्यक होगा|			सृजित की जा रही है, वह चिकित्सा अनुप्रयोग में उपयोगी होगा|	जारी रहेगी। टाईप ।। डाइबिटीज में मिटोकॉन्ड्रियल जीनोम वेरिएशन्स : प्रयोगशाला कार्यपूरा हो गया है। नियोजित अनुसंधानकर्ताओं द्वारा लिखित रूप में अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुतिकरण का कार्य तेजीसेप्रगति पर है। 'वाई' क्रोमोसोम नमूनों का सीक्वन्सिंग एबीआई 3730 के साथ भारत के विभिन्न जनजातीय इलाकों से संग्रहित नमूनों			नहीं की जा सकती है। यह कार्यक्रम ग्यारहवीं योजना अवधि में भी सतत परियोजना के रूप में जारी रहेगा।

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						में कियागया। डीएनए सीक्वन्सिंग कार्यके लिए मैसूर स्थित एसआरसी डीएनए प्रयोगशाला की स्कॉलर टीम ने यात्राकी।			
(vi)	पूर्वोत्तर भारत में बच्चों की शारीरिक वृद्धि और विकास - सार्वजनिक स्वास्थ्य का मुद्दा|	पूर्वोत्तर भारत के 0-18 वर्ष की आयु के बच्चों के विकास के जैव - सांस्कृतिक निर्धारक कारकों को समझना|			लोक स्वास्थ्य मुद्र्दों के रूप में बच्चों का विकास पूर्वोत्तर क्षेत्र् में एक मिशन मोड परियोजना है| पूर्वोत्तर क्षेत्र् के आदिवासी समुदायों के बीच सघन फील्ड जांच-पड़ताल शुरु करने के लिए अनुसंधान दल|	फील्ड जांच से संग्रहित आंकड़ों का कम्प्यूटरीकरणऔर विश्लेषणजारी रहेगा।पूर्वोत्तर भारत में बच्चों की वृद्धितथा विकासपरियोजना के अन्तर्गत नियोजित फैलोज को पश्चिम खासी पहाड़ियों जिला मेघालय के गारो समुदाय क्षेत्र से			इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						संग्रहितआंकड़ों की प्रविष्टि हेतुलगायागया है। मुख्यालय से वरिष्ठ अधिकारीने अप्रेल 2012में पूर्वोत्तर क्षेत्रमें स्कॉलरोंद्वारा किए गए अनुसंधानकार्य के पर्यवेक्षणहेतु मेघालयकी यात्रा की थी।			
(vii)	नर्मदा/ शिवालिक उत्खनन और देश के अन्य भाग				उत्तराखंड के शिवालिक क्षेत्र् में फील्ड कैम्प की स्थापना का कार्यपूरा किया गया। शिवालिक क्षेत्र् में फील्ड अन्वेषण और उत्खनन कार्य जारी रहेगा|	नर्मदा नदी- तला से संग्रहित जीवाश्मों का विश्लेषणात्मक अनुसंधान इस सर्वे के कोलकाता स्थित मुख्यालय के पलेओ-एथ्रोपोलोजिकल प्रयोगशाला में जारी रहेगा।			इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम तथ्यों का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है|

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					देश के अन्य भागों में इसी प्रकार के स्थलों का पता लगाया जाएगा। संग्रहित नमूनों का विश्लेषण जारी रखा जाएगा|	इस सर्वे ने अपने मुख्यालय कोलकातामें7और 8अगस्त 2012को दो दिवसीय को ओरीएन्टेशन कार्यक्रमआयोजित किया जहां नियोजित स्कॉलरों को नर्मदा घाटी से एकत्र किए गए पत्थर के टुकड़ों की पहचान तथा वर्गीकरणकेलिए प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एएसआई भोपालके क्षेत्रीय निदेशक डा. एस.बी. ओटा को आमंत्रित कियागया था।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(viii)	मानव विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय	इसमें अंतर्राष्ट्रीय संकाय की सेवाओं; शिक्षण में नियुक्त करने की परिकल्पना है और सर्वेक्षण मानव जिनोम परियोजना सहित सहयोगात्मक अनुसंधान गतिविधि चलाने से मानवशास्त्र सहित जीवन विज्ञान के सिद्धांत और पद्धति का आमूल परिवर्तन है।			यह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संकाय तथा सर्वेक्षण के विद्वानों के साथ-साथ अन्य शैक्षिक संस्थाओं को शामिल करते हुए प्रशिक्षण प्रक्रिया संचालित करेगा।	भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण ने निदेशक (भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण) की अध्यक्षता में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम का निर्माण करने के लिए एक मानीटरिंग समिति का गठन किया। भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण ने विकास से संबंधित उभरते विषयों के मानवविज्ञानी अध्ययनों पर कार्यशाला बैठकों। कार्यशालाओं सह प्रशिक्षण कार्मक्रमों तथा क्षेत्रीय कार्य का संचालन किया। वर्ष 2012-13 के दौरान प्रधान कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों से अनेक अधिकारियों ने इन कार्यक्रमों में उपस्थिति दर्ज की।			
(ix)	मानव और पर्यावरण	जीवमंडल में जैव सांस्कृतिक विविधता का प्रलेखन। जैव सांस्कृतिक विविधता के ज्ञान का प्रसारण तथा जनसंख्या की वहनीयता।			वर्ष के दौरान लगभग दो जीव मंडल कर अध्ययन किया जाएगा। - पूर्व के जीवमंडल अध्ययनों के प्रकाशनीय स्वरूप में लगभग दो रिपोर्टो को प्रस्तुत किया जाएगा। -पूर्व में अध्ययन किए गए	मानव विद्वान सर्वेक्षण के सी आर सी, नागपुर के अनुसंधान कार्मियों की एक टीम ने अप्रैल, 2012 माह में केरल में अगस्त्यमलई जैव क्षेत्र रिजर्व अध्ययन में क्षेत्रकार्य किया। तैनात विहानों की एक टीम ने			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					जीवमंडल की लगभग दो रिपोर्टों का प्रकाशन किया जाएगा। - कार्य की प्रगति के मूल्यांकन हेतु वर्ष के दौरान लगभग दो कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।	''डिब्रू- सैकिया बायोस्फीयर रिजर्व्स'' पर असम में क्षेत्रकार्य किया है जिनमें से रिपोर्ट लेखन प्रकाशन योग्य रूप में प्रक्रिया में है।			
(x)	क्षमता निर्माण के तौर पर सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन	एसआईए शुरू करने के लिए जनशक्ति का विकास और जहां कही आवश्यक हो, एसआईए अध्ययन किया जाएगा। - औद्योगिक संस्थापन को आरम्भ करने से पूर्व सरकार को एसआईए अध्ययन के साथ सहायता करना।			कम से कम एक एसआईए अध्ययन वर्ष के दौरान किया जाएगा। - कम से कम पूर्व में अध्ययन किए गए एक एसआईए रिपोर्ट को प्रकाशित किया जाएगा। - कार्य की प्रगति हेतु कम से कम एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी।	तैनात अनुसंधान विद्वानों द्वारा पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों का क्षेत्रकार्य I किया गया जरवा जीवन के सामाजिक आर्थिक पक्षों पर तथा ''औषधीय पादपों और समुद्री शैवालों के प्रयोग पर जनजातीय लोगों से टी. के. का निर्माण तथा माइक्रोबायलरोधी संभाव्यताओं का मूल्यांकन ''परियोजना पर अनुभूतिमूल्क अध्ययन के संबंध में मार्गनिर्देशों/सिर्फारशों पर विचार-विमर्श करने तथा उनका निर्माण करने के लिए एक वरिष्ठ विद्वान ने अंडमान और निकोबार प्रशासन, पोर्ट ब्लेअर में दिनांक 21-09-12 को अयोजित एक बैठक में भाग			

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						लिया। इस सर्वेक्षण के दों विद्वानों ने पोर्ट ब्लेऊर में दिनांक 13 से 15 अक्टूबर 12 तक आयोजित अंडमान आदिम जनजाति विकास समिति (एएजेवीएस) के क्षेत्र पदाधिकारियों के लिए जरवा अनुसंधान पर एक कार्यशाला में भाग लिया।			
(xi)	**नई स्कीमें** जैव-सांस्कृतिक विविधता, पर्यावरण और सतत विकास	विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में भारत की जनता की जैव-सांस्कृतिक विविधता का प्रलेखन करना; संसाधन आधारों की पहचान और प्रलेखन करना; जैव-सांस्कृतिक विविधता के परस्पर संबंधों का विश्लेशण, सतत विकास के लिए संसाधनों का स्वामीत्व और उपयोग, विभिन्न दृष्टिकोणों से विकास कार्यक्रमों की समीक्षा और महत्व अंतरालों की पहचान करना।			अुसूचियों एवं मार्ग निर्देशों पर अंतिम निर्णय लेना, घटना स्थलों की पहचान और अध्ययन, सहायक आंकड़ों का संग्रह, अनुसंधान कार्मिकों की तैनाती। तैनात कार्मिकों का अभिमुखीकरण प्रशिक्षण। सहायक आंकड़ों का संग्रह और घटनास्थलों के अध्ययन को अंतिम रूप देना। 3 अथवा 4 चरणों में क्षेत्र कार्य तथा रिपोर्ट लेखन	अपनी 12 वीं योजना प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूहों (पी टी जी) के अध्ययन के लिए सर्वेक्षण द्वारा संचालित राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के संबंध में इसके प्रधान कार्यालय, कोलकाता और इसके अन्य सभी क्षेत्रीय/ उप क्षेत्रीय केंद्रो से अनेक अनुसंधानकर्ता क्षेत्र कार्य के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों में दौरे पर भेजे गए हैं और यह जारी है। व्यापक ग्राम अध्ययनों के लिए 18 टीमों बनाई गई हैं। कुछ टीमों ने			शोध अध्यनों को 12वीं योजना अवधि में पूरा किया जाना है।

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						क्षेत्र कार्य (ग्राम अध्ययन) के पहले चरण का कार्य किया गया। कुछ दिसंबर 12 से देश के विभिन्न क्षेत्रों में ग्राम अध्ययन के लिए जा रहे हैं। 18 से 20 जून, 2012 के दौरान इस सर्वेक्षण के ई आर सी, कोलकाता में आयोजित पी वी टी जी पर एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें सभी तैनात विद्वानों ने भाग लिया। क्षेत्र कार्य के आधार पर कार्यशाला के दौरान अनेक रिपोर्टे/कागजात प्रस्तुत किए गए। सर्वेक्षण ने अपने ई आर सी, कोलकाता में तैनात विद्वानों के बीच 13 और 14 सितंबर 2012 के दौरान संभावित अनुसंधान कार्मियों के लिए अमिमुखीकरण पाट्यक्रम सह कार्यशाला का आयोजन किया। भारत में पी वी टी जी की इस परियोजना के अंर्तगत किए गए अध्ययनों से विभिन्न पैरामीटरों पर काफी जानकारी इकट्ठी हुई, जैसे साक्षरता की दर,			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						जनसांख्यिकीय विशेषताएं, और इन समूहों के लिए योजनाबद्ध संरक्षण-सह-विकास कार्यक्रम की प्रगति। ''विशष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूहों (पी वी टी जी) पर एक पुस्तक के रूप में संग्रहीत आंकड़ों के प्रकाशन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। तैनात विज्ञान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, क्षेत्र कार्य करने लिए पुस्तकालय परामर्श तथा सहायक जानकारी का संग्रह करने की प्रक्रिया जारी रखे हुए हैं। सर्वेक्षण ने दिनांक 23 और 24 मार्च 2013 को आई जी आर एम एस, भोपाल में इस नई स्कीम के अंतर्गत ''ग्राम अध्ययन'' पर एक कार्यशाला का अयोजन किया जिसमें सभी तैनात टीमों/ विद्वानों ने भाग लिया है और अब तक किए गए अपने क्षेत्रीय अध्ययनों पर अपनी रिपोर्टें प्रस्तुत की है। प्रस्तुतियों पर विस्तारपूर्वक विचार -विमर्श किया गया और			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						प्रकाशन योग्य प्रारूपों में रिपार्टो में सुधार करने के लिए सुझाव दिए गए। वर्ष 2012-13 अर्थात 12 वीं योजना के पहले वर्ष तैनात टीम सदस्यों द्वारा 16 ग्रामों का अध्ययन किया गया है।			
23.	**नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय**	पंडित जवाहरलाल नेहरू से संबंधित पुस्तकों, समाचार-पत्रों, अप्रकाशित संदर्भो, निजी पत्रों/फोटोग्राफों, फिल्मों तथा महत्वपूर्ण कागज़ातों के संकलन तथा अनुवाद के लिए भी उत्तरदायी।	10.50	5.75	सामान्यतः योजनेतर अनुदान पेंशन ओर सेवा निवृत्ति लाभों सहित प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए उपयोग किया जाना है।		11.82	7.90	
	अनुसंधान एवं प्रकाशन i अध्येतावृत्तियाँ प्रदान करना। ii सीआर परियोजना iii प्रकाशन कार्यक्रम	तीन स्तर की अध्येतावृत्तियाँ, अर्थात् वरिष्ठ अध्येतावृत्ति, अध्येतावृत्तियाँ तथा कनिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ प्रदान करना तथा छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने की व्यवस्था करना। पुस्तकों, विनिबंधाँ आदि का प्रकाशन शुरू करने हेतु वित्तीय सहायता। आधुनिक भारतीय इतिहास के अध्ययन को			मंजूर की गई 32 अध्येतावृत्तियों की तुलना में रिक्तियां भरे जाने की संभावना है। इसमें अनुसंधान कार्यकलाप के संवर्धन में सहायता प्रदान करने के लिए संविदा आधार पर अर्हता प्राप्त पेशेवरों की तैनाती का प्रस्ताव किया गया है। अध्येताओं के निष्कर्ष और उनके द्वारा सृजित अनुसंधान दस्तावेज प्रकाशित	अध्येता विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य कर रहे थे। अध्येताओं के निष्कर्ष और उनके द्वारा तैयार किए गए शोध पत्रों को विनिबंध के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। - तिमाही पत्रिकाओं के प्रकाशन के अतिरिक्त एन एम एम एल अपने अध्येताओं द्वारा तैयार विनिबंधों को भी प्रकाशित			

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	iv समकालिक सेवा केन्द्र। मौखिक इतिहास प्रभाग का सुदृढीकरण	संवर्धित और प्रोत्साहित करने के लिए व्याख्यानों, संगोष्ठियों, परिसंवादों और सम्मेलनों का आयोजन करना।			किए जा रहे हैं। अध्येताओं द्वारा प्रस्तुत अंतिम पांडुलिपि को भी पुस्तक रूप में प्रकाशित किया जाता है। सामग्री का संग्रह, दस्तोवेजों का चयन, स्वर्गीय श्री राजगोपालाचारी की चुनिंदा कृतियों के खंड 3 के लिए दस्तावेजों का शब्द संसाधन, पाद टिप्पणियों की तैयारी और अनुसंधान सामग्री की तुलना। माइक्रोफिल्म रीडरों, कंप्यूटर,स्कैन आदि का अधिप्रापण। उपर्युक्त कार्य के लिए मानव संसाधन। सामग्री के संग्रह के लिए देश के विभिन्न भागों का दौरा। श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा प्रस्तावना के साथ जवाहर लाल नेहरू पर एक एम एस एस का प्रकाशन, संगोष्ठियों व्याख्यानों, कार्यशालाओं आदि का आयोजन, एनएमएमएल द्वारा प्रमुख व्यक्तियों के संस्मरणों के अभिलेख तैयार करने के कार्य को पूरा करना तथा प्रभाग के लिए उपस्कर का अधि प्रापण	कर रहा है। एन एम एम एल ने श्री सी. राजगोपालाचारी के चुनिंदा लेखन को प्रकाशित करने की परियोजना भी प्रारंभ की है। -राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों का आयोजन किया। ट्यूजडे सेमिनारों और अन्य व्याख्यान भी हमेशा की भांति आयोजित किए गए। - उन व्यक्तियों के संस्मरणों का अभिलेख तैयार किया जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					करना।				
	पुस्तकालयों का विकास	ऐसी पुस्तकों, पेम्फ्लेट, समाचार-पत्रों, सावधिक पत्रिकाओं, माइक्रोफिल्मों, अचल फोंटोग्राफों, सचल चित्रों, साउंड रिकॉर्डिंग और अन्य सामग्रियों के साथ एक पुस्तकालय का रख-रखाव करना जिसमें स्वाधीनता आंदोलन के विशेष संदर्भ सहित आधुनिक भारतीय इतिहास को समाविष्ट किया गया हो।			पुस्तकालय नई पुस्तकों पैम्फलेट, समाचार पत्र, पत्रिका, माइकोफिल्म, स्टिल फोटो आदि को प्राप्त करना जारी रखेगा।	पुस्तकालय ने माइक्रोफिल्म और चित्रों पर सामग्री के अतिरिक्ति आधुनिक भारतीय साहित्य और संबंधित समाज विज्ञान पर ध्यान केंद्रित कर पुस्तकों का अधिप्रापण करना जारी रखा।			
	संग्रहालय का विकास	जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व से संबंधित वस्तुओं, स्मरणीय वस्तुओं, स्मृति चिह्नों तथा उनके जीवन से और भारतीय स्वाधीनता आंदोलन से संबंधित अन्य वस्तुओं वाले संग्रहालय का रख-रखाव एवं अनुरक्षण करना।			संग्रहालय वस्तुओं का संरक्षण, सुरक्षा और निगरानी प्रणाली विथियों में स्थापित करना, मौजूदा टाइलों और इसके तार और फिटिंग को बदलकर संग्रहालय भवन का उन्नयन और नवीकरण, छत की मरम्मत और रिसाव बंद करना, स्थायी प्रदर्शनियों का रख-रखाव करना, जवाहर ,इंदिरा और राजीव की ज्योतियां रखना, संग्रहालय ब्रोशर का मुद्रण करना, धात्विक सूचना	संग्रहालय के सामान्य अनुरक्षण और रखरखाव पर ध्यान दिया गया। नई प्रदर्शनियां लगाने जैसे नियमित कार्यकलाप प्रारंभ किए गए हैं ताकि जनता को आकर्षित किया जा सके।			

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					पट्ट लगाना, संग्रहालय स्टाफ को अनेक कार्य निष्पादन आदि की वृद्धि के लिए संग्रहालय के नये प्रदर्श तकनीकी प्रशिक्षण के संबंध में विचार-विमर्श करने के लिए संग्रहालय व्यावसायिकों हेतु सेमिनार सह कार्यशालाएं।				
	नेहरू तारामंडल का अनुरक्षण -पाण्डुलिपि प्रभाग, -रिप्रोग्राफी सेवाओं, -बाल संसाधन केंद्रों को सुदृढ़ करना	एनएमएम एण्ड एल का नेहरू तारामंडल राजधानी में स्थित एकमात्र तारामंडल है तथा इसके कार्यक्रम बच्चों में वैज्ञानिक अभिरूचि उत्पन्न करते हैं।			यह शैक्षिक उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में नेहरू तारामंडल की ख्याति को बनाए रखने और इसे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह आधुनिक भारत के राष्ट्रीय नेताओं और अन्य प्रमुख भारतीयों के दस्तावेजों का आधिग्रहण, रखरखाव और अनुरक्षण जारी रखेगा। उभरते हुए नए दस्तावेज के डिजीटीकरण के प्रावधान जारी रहेंगे। इसका विभिन्न रूपों में उपलब्ध पुरानी और दुर्लभ अनुसंधान सामग्री का माइक्रोफिल्म बनाने और अपरिष्कृत माइक्रोफिल्म आदि का अधिप्रापण करने का प्रस्ताव है।	एन एम एम एल ने नियमित अनुरक्षण कार्य के अतिरिक्त मामूली मरम्मत कार्य किए। प्रदर्शनी क्षेत्र का जीर्णोद्धार किया गया है। (पहले नेहरू तारामंडल का जीर्णेद्धार एनसीसीएम द्वारा किया गया था और इस वर्ष के दौरान बिलों का अंतिम निपटारा किया जाना है)। - एन एम एम एल ने प्रमुख लोगों के निजी दस्तावेजों का अधिप्रापण करना जारी रखा क्योंकि वे ऐतिहासिक अनुसंधान के लिए जानकारी के प्रारंभिक स्त्रोत थे। - पुस्तकालय और पांडुलिपि प्रभाग द्वारा अधिप्राप्त समाचार			

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियॉं (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						पत्रों और निजी कागजात की माइक्रोफिल्म तैयार करना एक सतत प्रक्रिया है आधुनिक भारत, इसके निर्माताओं और विकासकर्ताओं की शानदार विरासत को, इसके विभिन्न चरणों के अलावा, प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और व्याख्यानों के माध्यम से मनाया जाता है इस कार्यकलाप का मुख्य उद्देश्य बच्चों और युवाओं को आकर्षित करना है।			
	उद्यान और सम्पदा का विकास	विविध और समृद्ध विरासत का संरक्षण करना।			विरासत स्थल के रूप में उद्यान और संपदा की स्थिति का संरक्षण करना।	ये प्राकृतिक विशेषताएं इस तथ्य से और बढ़ जाती है कि इस उद्यान सम्पदा के विभिन्न भाग पूर्ण रूपेण उद्यान और अर्द्ध-रूपेण पार्क हैं और कुछ भाग अर्ध-प्राकृतिक सुनसान जगह तक विस्तारित हैं।			
24.	**भारतीय संग्रहालय, कोलकाता**	यह संस्थान शताब्दियों की सांस्कृतिक लोकाचार और परंपरा का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय और विदेशी	7.65	107. 88	संविदा आधार नियुक्त अधिकारियों को पारिश्रमिक का भुगतान।		9.35	7.50	सामान्यतः, गैर योजना अनुदान प्रशासनिक और स्थापना खर्च के

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		कला के अद्विवतीय खज़ानों को रखने वाली वीथियों के पुनर्गठन और पुनरुद्धार में कार्यरत है।							लिए इस्तेमाल किया जाता है।
(i)	वेतन	भारतीय संग्रहालय कोलकता में परियोजना कार्यों के संविदात्मक कर्मचारियों को संविदात्मक पारिश्रमिक का भुगतान			संविदात्मक कर्मचारियों को संविदात्मक पारिश्रमिक का भुगतान।	रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान संविदात्मक कर्मचारियों को संविदात्मक पारिश्रमिक का भुगतान किया गया है।			
(ii)	अन्य व्यय - i) संग्रहालय का आधुनिकीकरण ii) महानगर संग्रहालय परियोजना	i) वीथियों का आधुनिकीकरण ii) संग्रहालय की बाहरी मरम्मत और आधुनिकीकरण			वीथियों, पुस्तकालयों, संरक्षणात्मक इकाई, कलावस्तुओं के परिरक्षण, मॉडलिंग यूनिट, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाशन इकाई आदि का आधुनिकीकरण और विकास	वर्ष 2013-14 में संग्रहालय के अर्ध-शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में इन आधुनिकीकरण कार्यों को शुरु किया गया है। यह कार्य अग्रणी वित्तीय वर्ष में जारी रहेगा।			
(iii)	यात्रा व्यय	परियोजना कार्यों हेतु यात्रा व्यय।			परियोजना कार्यों हेतु, यदि कोई हो,यात्रा व्यय की पूर्ति करना।	परियोजना कार्य के लिए इन खर्चों को इस शीर्ष पूरा किया गया।			
(iv)	टैगोर फैलोशिप स्कीम	टैगोर राष्ट्रीय फैलोशिप स्कीम के सम्बन्ध में सांस्कृतिक अनुसंधान कार्य।			राष्ट्रीय टेगोर फैलोशिप स्कीम के सम्बन्ध में अनुसंधान कार्य।	इस स्कीम के अंतर्गत अनुसंधान कार्य जारी रहा है।			

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(v)	उत्तर पूर्वी राज्यों का विकास	उत्तर पूर्वी राज्यों में विकास कार्य।			उत्तर पूर्वी राज्यों के संग्रहालयों का विकास कार्य।	पूर्वोत्तर कार्यकलापों के लिए 50 लाख रु. की धनराशि को भारतीय संग्रहालय के पक्ष में पुनर्विनियोजित किया गया है।			
25	**सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद**	यह एक राष्ट्रीय महत्व का संग्रहालय है जो सालारजंग I, II और III द्वारा दुनियाभर से अधिप्राप्त दुर्लभ और विविध संग्रह को इकट्ठा करता है।	9.50	9.00			12.75	9.00	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्चे के लिए किया जाता है।
(i)	परियोजना निर्माण	संग्रहालय के लिए विशेषकर दीर्घाओं के विस्तार के लिए अतिरिक्त स्थान प्रदान करने का लक्ष्य			पश्चिमी और पूर्वी खंड के ऊपर 8 नई दीर्घाओं को बनाने के लिए 5000 स्कवायर फीट माप के अतिरिक्त फ्लोर का निर्माण	पश्चिमी ब्लॉक पर अतिरिक्त मंजिल का निर्माण कार्य प्रगति पर है।			
(ii)	विकासपरक कार्य (विद्यमान भवन)	मौजूदा भवन का विभिन्न विकासपरक कार्य शुरू करना जिसमें दीर्घाओं का पुनर्गठन, भंडार का आधुनिकीकरण पांडुलिपि, पुस्तकालय आदि का संरक्षण कार्य भी शामिल है।			मौजूदा भवन के विभिन्न विकासपरक कार्य करना जिसमें दीर्घाओं का पुनर्गठन भी शामिल है।	केन्द्रीय भवन के गोदाम का निर्माण, मुख्य भवन के बरामदे का फर्श / फाल्स सीलिंग गैलरियों का पुनर्गठनः बाल वीथी ; सिक्का गैलरी, वाकिंग स्टिक गैलरी और विविध कार्य			
(iii)	सुरक्षा का उन्नयन	संग्रहालय की सुरक्षा सीसीटीवी कैमरा, फायर अलार्म तंत्र और अग्नि			सी सी टी वी कैमरा, फायर अलार्म तंत्र और अग्नि शामक तंत्र लगाकर संग्रहालय में सुरक्षा	12 महीने के लिए सी आई एस एफ सुरक्षा की प्रतिपूर्ति और संग्रहालय सुरक्षा का			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		शामक तंत्र लगाकर बढ़ाई जा रही है।			बढ़ाई गई है।	उन्नयन जिसके लिए प्रक्रिया जारी रही है।			
(iv)	पुस्तकालय की पुस्तकों, कलाकृतियों, एम एस एस आदि का संरक्षण। अन्य सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियां फोटोग्राफी पुस्तकालय और एमएसएस	संग्रहालय के पुस्तकालय में उपलब्ध कलाकृतियों / पाण्डुलिपियों का संरक्षण। विविध शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन। फोटोग्राफी उपकरणों का उन्नयन पुस्तकालय की पुस्तकें एवं पाण्डुलिपियों का अधिग्रहण, संरक्षण और परिरक्षण			प्रदर्शित की जा रही तथा भंडार में भी रखी गई कलाकृतियों के संरक्षण और परिरक्षण के लिए सामान्य कार्रवाई की जाती है। ग्रीष्मकालीन कला कैंप, बाल सप्ताह, संग्रहालय सप्ताह, विशेष प्रदर्शनी, सेमिनार, कार्यशाला आदि जैसी शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। पुस्तकालय की पुस्तकें एवं पाण्डुलिपियों का अधिग्रहण, संरक्षण और परिरक्षण	ग्रीष्मकालीन कला कैंप, बाल सप्ताह, हिन्दी सप्ताह, संग्रहालय सप्ताह, सतर्कता सप्ताह, 18 विशेष प्रदर्शनी, 7 विशेष व्याख्यान जैसी शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की गई।			
26	**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल**	शिक्षा, आउटरीच गतिविधियाँ और ऑपरेशन सालवेज द्वारा भारत के समृद्ध और विभिन्न सांस्कृतिक स्वरुप के प्रलेखन प्रदर्शन और प्रचार की लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अवसंरचना सुविधाओं का विकास	3.70	9.00	योजनेतर निधि से इंडोर प्रदर्शनी का रख-रखाव और व्यवस्थापन, 7 आउटडोर प्रदर्शनी कांप्लेक्स, भवन और, रोड नेटवर्क, भवन और अभिलेखीय यूनिट जैसे पुस्तकालय, फोटोग्राफी, संरक्षण आदि हर साल किये जाते हैं।		3.59	11.64	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	अवसंरचना विकास				**योजना गतिविधियाँ** **क. अवसरंचना विकास :** 1. स्पेसिमेन स्टोर हेतु शेड, प्रस्तुतीकरण स्थल / प्रेक्षागृह का निर्माण/ उन्नयन, स्थल विकास। 2. बाउंड्री वाल का निर्माण पूरा करना, दर्शक अनुकूल सुविधा का विकास। **3.** ओपन एयर प्रदर्शनी का विकासः इस वर्ष संग्रहालय नए हाउस टाइप प्रदर्शों को शामिल करेगा, महानदी रिवर घाटी से प्रदर्श विकसित करेगा, कला प्रस्तुतिकरण हेतु मुक्ताकाश प्रदर्शन स्थल सृजित करना, इंडोर प्रस्तुतिकरण/प्रस्तुतीकरण स्पेस का निर्माण/प्रेक्षागृह का उन्नयन और सभी मौजूदा ओपर एयर प्रदर्शों में दर्शक सुविधाओं का उन्नयन, श्रव्य टूर और श्रव्य पोस्ट की सुविधा विकसित करना, ब्रेल में पाठ और लेबल उपलब्ध कराना, ओपन एयर प्रदर्शनियों में	प्रस्ताव पर ई सी का अभी अनुमोदन होना है; बाउंडरी वाल का निर्माण कार्य चल रहा है। पार्किंग नं.-1 के निकट फाउंडेशन के चारों ओर पथ रास्ता का निर्माण, कैंपस में आंतरिक सड़क का पैच कार्य। 1.00 लाख लीटर आरसीसी टैंक का वाटर प्रूफिंग, रॉक कला केन्द्र में फाल्स सीलिंग। विधी संकुल, इनडोर संग्रहालय भवन में संस्कृति से संबंधित विविध विषयों पर प्रदर्शनियों का मरम्मत और उन्नयन किया गया। अवधि के दौरान जम्मू के डोगरा समुदाय के परंपरागत लाइफ साइज हाउसों और जुआंग के युवा छात्रावास और चार अन्य प्रदर्शनियों को ओपन एयर प्रदर्श के तौर पर शामिल किया। 1) अवधि के दौरान लगभग 11 आवधिक / यात्रा प्रदर्शनियाँ			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनी स्थानों में एसकेलेटर सुविधा, सूचना कियोस्क (पीसी आधारित) उपलब्ध कराना और दर्शकों के लिए संचार सुविधा उपलब्ध कराना। लाइट और साउंड शो विकसित करेगा । **4.** इंडोर संग्रहालय में प्रदर्शनी दीर्घा का विकासः मौजूदा प्रदर्शनी दीर्घाओं का अतिरिक्त इलेक्ट्रानिक गेजेट उपलब्ध कराकर उन्नत किया जाए, और दर्शक सुविधा, डिस्प्ले सामग्री की सुरक्षा और संरक्षा को सीसीटीवी और चोरी अलार्म तंत्र तथा अग्नि शामक तंत्र लगाकर बढ़ाया जाए। शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तिओं का दीर्घा तक सुगमतापूर्वक जाने का प्रावधान करना और नई प्रदर्शनियाँ विकसित करना, विभिन्न थीमों पर नए प्रदर्श बनाने के लिए उपग्रह डिस्प्ले स्पेस निर्मित करना। 5. संगठनात्मक गठन : मौजूदा	आयोजित की गई। 19 मंच कला प्रस्तुति कार्यक्रम, 12 डू एंड लर्न संग्रहालय, शिक्षा कार्यक्रम नृविज्ञान और संग्रहालय पर 2 कार्यशालाएँ सहित 11 सेमिनार, लगभग 6 संग्रहालय लोकप्रिय व्याख्यान, एक वार्षिक आईजीआरएमएस व्याख्यान और लगभग 11 कलाकार कार्यशाला और कई अन्य कार्यक्रम भी भारत में भोपाल और अन्य विविध स्थलों में आयोजित किए गए। इसके अलावा विविध राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दिवस भी आयोति किए गए। 2) अवधि के दौरान एस आर सी, मैसूर में एक 10 दिवसीय कला और शिल्प कार्यशाला, सांस्कृतिक कार्यक्रम और एक प्रदर्शनी सहित तीन डू एवं लर्न संग्रहालय शिक्षा कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय विश्व देशज जन दिवस समारोह आयोजित किए गए।			

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					इकाई को पर्याप्त मानवशक्ति के साथ सुदृढ़ किया जाएगा। **ख़ संग्रहालय शिक्षा और आउटरीच गतिविधियां** **1क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर में विकास सुविधाएं :** भारतीय समुदाओं की जीवन शैली पर ओपन एयर प्रदर्शनी का विकास। यह मैसूर में सेमिनार/विचार गोष्ठी, शैक्षिक कार्यक्रम और फील्ड कार्य भी आयोजित करेगा। नए क्षेत्रीय केंद्र भी स्थापित करने का प्रस्ताव है। 2 संस्कृति क्षेत्र विशिष्ट और थीमपरक सांस्कृतिक निर्वचन केंद्र का सृजन और प्रबंध। यह निर्वचन केंद्र, क्षेत्र के समुदाओं और उनकी ज्ञान पद्धति के लिए स्रोत केंद्र का काम करेगा। **3. अस्थायी और यात्रा प्रदर्शनी :** विभिन्न थीमों पर कुछ और प्रदर्शनियां, जिसमें लोक और जनजातीय संस्कृतियां शामिल हैं, लगाने का प्रस्ताव है।				

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					4. संग्रहालय और विरासत प्रबंधन पर अंतर्शाखा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम : विविध विश्वविद्यालयों में नृविज्ञान विभाग के अध्यापकों और छात्रों के लिए संग्रहालय पर राष्ट्रीय कार्यशाला पर और नई संग्रहालय विज्ञान (संग्रहालय कर्मचारियों के लिए) एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम। प्रासंगिक विषयों पर सेमिनार, विचार गोष्ठी, संग्रहालय संवाद, लोकप्रिय व्याख्यान आदि का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष कुछ अन्य संगठनों के सहयोग से लगभग 10 सेमिनार आयोजित करने का प्रस्ताव है। **5.** समुदाय ज्ञान प्रणाली का प्रदर्शन : (कलाकार कैंप, जनजातीय हीलर्स कैंप, प्रदर्शन कला प्रस्तुतीकरण मंच प्रस्तुतिकरण, पूनम बालरंग राष्ट्रीय स्कूल चिल्ड्रन महोत्सव, करो और सीखो आदि) लाइट और साउंड कार्यक्रम **6. शिक्षा और आउटरीच**				

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					कार्यक्रम/वीडियो वृत्तचित्र के लिए सहायक इकाइयों का विकास : विविध परिचालन इकाईयों का उनके कार्य की क्षमताओं के उन्नयन हेतु मानवशक्ति, आधुनिक उपकरण और गाजेट्स के साथ सुदृढ़ करना। संग्रहालय उद्देश्य और लक्ष्य से संबंधित विविध पहलुओं पर नियमित प्रकाशन निकाला जाएगा।				
					(ग) ओपरेशन साल्वेज : 1. सहयोगी नृविज्ञान शोध परियोजनाएं। 2) मानव विज्ञान-संग्रहालय शास्त्र और प्रदर्शन कला में मौखिक परंपराओं के विभिन्न पहलुओं का	इस अवधि के दौरान संग्रहालय के स्टाफ ने भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी वस्तुओं के संग्रहण और प्रलेखन के लिए भारत के विभिन्न सुदूरवर्ती क्षेत्रों में फील्ड कार्य			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					प्रलेखन। 3) दुर्लभ वस्तुओं की पहचान और साल्वेज। 4) सामग्री संस्कृति वस्तुओं का संग्रहण। 5) नमूनों का संरक्षण। 6) रॉक कला अनुसंधान 7) सांस्कृतिक अनुसंधान के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति 8) छात्र इंटर्नशिप कार्यक्रम	किया। कुल मिलाकर 710 वस्तुएं प्राप्त हुईं हैं और भारत के विभिन्न समुदाओं से संबंधित संग्रहालय के नमूना भंडार में परिगृहीत की गई हैं।			
27.	**अन्य कार्यक्रम (संग्रहालय)**								
क.	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ**	सांस्कृतिक संपदा के संरक्षण में देश में विभिन्न सांस्कृतिक संस्थानों की क्षमता का विकास करना और संग्रहालय, अभिलेखागार, पुरातत्व विभाग, और इसी प्रकार की अन्य संस्थाओं को संरक्षण सेवाएँ प्रदान करना।	4.00	2.50			3.83	1.71	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए किया जाता है।
(i)	अनुसंधान एवं विकास	सतत संरक्षण समाधान का विकास करना।			कला वस्तुओं का एक्सआरएफ / एक्सआरडी अध्ययन। -स्टोण कला कार्य के लिए बायासाइड इमप्रेगनेटड कोटिंग का	-54 नमूने का विश्लेषण किया गया। भौतिक - रासायनिक अध्ययन के लिए सैन्डस्टोण नमूने पर			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					मूल्यांकन -स्टार्च पेस्ट के लिए उपयुक्त बायोसाइड की खोज -संग्रहालय में कीट और कवक राधी मेन्थॉल की प्रभावकारिता का अध्ययन। -कागज पर मेन्थॉल एवं बेनजोलकोनियम क्लोराइड का प्रभाव।	बेनजालकोनियम क्लोराइड (2-3%) के साथ कोटिंग एसएमके 1311 भरके प्रयुक्त किया। -स्टार्च पेस्ट के लिए बायोसाइड के रूप में बेनजोल्कोनियम क्लोराइड पर इन विट्रो और इन सिटु अध्ययन। -कागज पर मेन्थॉल का प्रभावकारी अध्ययन पूरा किया। -नमूने (48) तैयार किये और कागज पर प्रभावकारी प्रभाव हेतु अध्ययन किया गया।			
(ii)	फील्ड परियोजनाए	संग्रहण, कलाकृतियों, वस्तु आदि का सरंक्षण करना और संरक्षण छात्र और प्रशिक्षणार्थियों के लिए इंटर्नशिप / असिस्टेंटशिप उपलब्ध कराना।			-राजस्व मंडल, उ.प्र. मैप का संरक्षण। -जे जे स्कूल ऑफ आर्टस, मुंबई में पेंटिंग का संरक्षण। -केन्द्रीय संग्रहालय, नागपुर में संग्रहों का संरक्षण -एस एम एम थिएटर क्राफ्ट, नई दिल्ली के संग्रहों का संरक्षण -कार्शा मोनास्ट्री के वाल पेंटिंग्स का संरक्षण। -राज्य संग्रहालय, लखनऊ के पेंटिंग्स का संरक्षण।	1.2832 मैप का संरक्षण किया गया। -200 पेपर एवं तेलचित्रों का संरक्षण किया गया। -परियोजना, मई, 2012 को शुरू हुई। तीस स्टोण वस्तुओं की सफाई पूरी की गई। -परियोजना मई, 2012 में शुरू हुई -100 वस्तुओं का प्रलेखन एवं संरक्षण पूरा हुआ। -200 स्क्वायर फीट के वाल			

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					-गवर्नर हाउस, शिमला के वस्तुओं का संरक्षण।	पेंटिंग्स का संरक्षण प्रगति पर है -5 पेपर पेंटिंग्स का संरक्षण हुआ। -दो वुडन बोक्सस एवं दो वुडन स्टैंड के बोक्सस का संरक्षण किया गया।			
(iii)	सूचना संसाधन एवं संचार	संरक्षण सूचना का प्रसार			-सूचना संसाधनों का अधिग्रहण। -सूचना संसाधनों का प्रलेखन।	-तीस पुस्तक एवं 10 पत्रिकाएं खरीदी गई। -नई अधिग्रहण सूची -2011 का संकलन तैयार किया जा रहा है।			
(iv)	संरक्षण में प्रशिक्षण।	संरक्षकों एवं जीर्णोद्धार कर्ताओं का विकास			- कला वस्तुओं के संरक्षण के लिए छः महीने का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। -संग्रहालय वस्तुओं के रख-रखाव और मरम्मत के लिए दस दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला। -संग्रहालय वस्तुओं के रख-रखाव एवं प्रबंधन हेतु संग्रहालय के गैलरी परिचारकों के लिए विशेष पाठ्यक्रम। -पुस्तकालय सामग्रियों का	-पाठ्यक्रम, 12 प्रशिक्षणार्थियों के साथ 1 सितंबर, 2012 से शुरू किया गया। -अगस्त, 2012 में संग्रहालय से नौ कार्मिकों ने, पाठ्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया। -जुलाई 2012 में उ.प्र. के विविध संग्रहालय से नौ गैलरी परिचारकों ने पाठ्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया। -भारत के विविध पुस्तकालयों से सत्रह पुस्तकालयाध्यक्षों ने			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					निवारक संरक्षण पाठ्यक्रम। -ए एस आई के सहायक पुरातात्विक रसायनज्ञ के लिए संग्रहालय वस्तुओं का संरक्षण प्रशिक्षण। -धातुओं के संरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम। -डीएचआरएम (नई दिल्ली), बी एच यू (वाराणसी), एसएसयू (वाराणसी) एवं आरबीयू (कोलकाता) के छात्रों के लिए विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम।	पाठ्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया। -मई 2012 में सत्रह सहायक पुरातत्व रसायनज्ञों ने पाठ्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया। -एनएमआई, नई दिल्ली के तीन छात्रों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। एमए संग्रहालय विज्ञान/संग्रहालय विज्ञान / एवं पुरातत्व विज्ञान / विरासत प्रबंधन में डिप्लोमा के कुल बीस छात्रों ने पाठ्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया।			
(v)	प्रयोगशाला सुविधाओं का उन्नयन	अद्यतन उन्नति के साथ ताल-मेल बैठाना।			निम्नांकित उपस्कारों की खरीद की जाएगी। - संरक्षण प्रलेखन उपकरण -हॉट वैक्यूम टेबल -लीफ कास्टर	उपस्कारों का प्रापण प्रगति पर है।			
ख.	**विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता**	स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, कला इतिहास को प्रदर्शित करने वाली अवधि से संबद्ध सामग्री एवं डाटा संग्रहण में संलग्न समकालीन कला	3.90	7.20	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए किया जाता है।		4.72	5.05	

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		संग्रहालय।							
(i)	सी. पी. डब्ल्यू. डी./ए एस आई द्वारा विशेष मरम्मत और नवीकरण कार्य किया जाना। गार्डन विकास प्रेक्षागृह सह प्रशासनिक ब्लाक के लिए एनेक्सी भवन का निर्माण	स्मारक भवन, छत का मरम्मत कार्य करना, बाहरी और भीतरी भाग की केमिकल सफाई करना। बगीचे का समुचित रख-रखाव तथा लॉन का सौंदर्यीकरण। अंतर्राष्ट्रीय मानको की प्रदशनियां लगाने के लिए तथा सेमिनार, पुस्तकालय सुविधा आदि के लिए अतिरिक्त स्थान उपलब्ध कराना।			पुराने पुस्तकालय की विशेष मरम्मत, शिक्षा अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी के रूम को पेंटों के प्रयोग और चमकाने वाली सामग्रियों से एएसआई (कोलकाता सर्कल) द्वारा सुसज्जित करना। -विक्टोरिया मेमोरियल भवन का एएसआई (कोलकाता) सर्कल द्वारा वार्षिक मरम्मत। -मूर्तियाँ, स्तंभ, पीतल पैनल और अन्य रिलीफ फिगर सहित विक्टोरिया मेमोरियल भवन के बाहरी और आंतरिक भाग का एएसआई विज्ञान शाखा द्वारा रासायनिक उपचार। -चरण iv के अधीन क्षेत्रों का सीपीडब्ल्यूडी (बागवानी) द्वारा विकास निम्नांकित क्षेत्रों का सीपीडब्ल्यूडी (बागवानी) द्वारा मरम्मत i) प्लाट 3-7 चरण i के अधीन; ii) प्लाट 1-6 चरण ii के अधीन ;	निधि पहले ही उपलब्ध कराई गई और कार्य प्रगति पर है -कार्य जारी है। -कार्य प्रगति पर है -कार्य प्रगति पर है			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					iii) प्लाट 1-5 चरण iii के अधीन; उद्यान सामग्रियाँ, साइनेज, कूड़े के डिब्बे, बीज, पादपों आदि की खरीद। मेमोरियल परिसर में अतिरिक्त आगंतुक सुविधाएँ सहित एनेक्सी भवन का निर्माण।	-कार्य अभी शुरू किया जाना है।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियॉं (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	घरेलू प्रदर्शनी	संग्रह की समृद्धि के बारे में लोगों को परिचित कराना और अपने विगत इतिहास, संस्कृति तथा सौन्दर्यबोध के बारे में बताना तथा भारत के किसी एक महानगर में कम से कम एक यात्रा प्रदर्शनी लगाना।			**पूर्वव्यापी प्रदर्शनी** दिनांक 02 अप्रैल, 2012 को श्री शक्ति बर्मन द्वारा **द वंडर ऑफ इट ऑल**। नेशनल इंटेग्रिटी और गांधी मेला में भागीदारी। युवा एशियाई कलाकार आदान-प्रदान कार्यक्रम। भारत और जापान के बीच राजनायिक संबंध के 60 वर्ष के समारोह के हिस्से के रूप में जोगन चौधरी द्वारा आयोजित। -प्रदोष दास गुप्ता द्वारा मूर्तियों की प्रदर्शनी -फोटोग्राफ की प्रदर्शनी : अनिर्बान मित्र द्वारा शाही बंगाल की झलक। -प्रलेखन यूनिट द्वारा वीएमएच के संग्रह में संथाल पट पर यात्रा प्रदर्शनी एवं एक सूची का प्रकाशन करना। -एस जे एम, सीएसवीएम, एनजीएमए एवं वीएमएच में प्रदर्शनी।	दिनांक 17.06.2013 को आयोजित की गई। दिनांक 11.05.2013 को आयोजित की गई। फरवरी 2014 को आयोजित की जाएगी। दिनांक 24.08.2013 को आयोजित। जनवरी 2014 को आयोजित की जाएगी। दिनांक 13.11.2013 को आयोजित की गई।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	प्रकाशन क्लाकृतियों का प्रलेखन, कैटलाग बनाना, अभिग्रहण, स्टॉक सत्यापन, फोटो प्रलेखन आदि।	यूरोपीय कलाकारों की कृतियों के हमारे अद्वितीय संग्रह पर कुछ उच्च गुणवत्ता प्रकाशन और कुछ प्रामाणिक कैटलॉग प्रकाशित करना			**वीएमएच की प्रतिमाएँ और मूर्तियाँ** सुमंत बनर्जी, प्रसिद्ध लेखक द्वारा उनके वीएमएच संग्रह के शोध पर आधारित एक मोनोग्राफ ''हिमालयन पेंटिंग्स'' का प्रकाशन। -प्रोफसर उपिन्दर सिंह द्वारा कनिंधम पत्र पर संपादित खंड का प्रकाशन। -सुश्री पियासी भरसा, शिक्षा अधिकारी द्वारा वीएमएच की गाईड बुक -न्यूजलेटर्स **-व्यापार** (i) वीएम संग्रह से कालीघाट पेंटिंग पर आधारित लघु पुस्तिका। (ii) डेनियल से 10 पिक्चर पोस्ट कार्ड के सेट -विक्टोरिया मेमोरियल हॉल का मैप -बैग और फोल्डर	-ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस के साथ समझौते के निबंधन और शर्त से संबंधित समझौता वार्ता-चल रही है - अगली तिमाही में प्रकाशित की जाएगी। -तैयारी चल रही है। -तीन प्रकार के बैग निर्मित किये हैं और प्रकाशन काउंटर से इनकी विक्री की जारी है। -अभी तक शुरू नहीं हुआ है। -अगले वित्तीय वर्ष में प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। -अब तक 482 वस्तुओं का माल सत्यापन पूरा हुआ है। -अब तक जतन सॉफ्टवेयर में 2,781 कलाकृतियों हेतु डेटा दर्ज किए गए। -कार्य जारी है। -अब तक 100% प्रश्नों का उत्तर दिया। -अब तक 5,758 वस्तुओं का डिजिटीकरण पूरा किया।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण	क्लाकृतियों और स्मारकों को नष्ट किए जाने और चोरी होने से सुरक्षा प्रदान करना और सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा करना			सीसीटीवी की स्थापना (नाइट विशन कैमरा सभी स्टोरों में स्थापित किया) नाइट विशन वाले 04 बाइनोकुलर की खरीद। गलास डिटेक्टर, डोर स्विच (संपर्क) और प्रशर मैट्स की खरीद और स्थापना। सीआईएसएफ की तैनाती। 46 कोलकाता पुलिस के साथ सुरक्षा व्यवस्था जारी है निजी सुरक्षा एजेंसी से सीआईएसएफ और 17 पेशेवर की तैनाती तक जारी। सभी सुरक्षा गैजेट और अग्निशमक के लिए एममसी 10-12 बार फेंसिंग का निर्माण। 13 बाकी टॉकीज (मासिक आधार पर) का हाइरिंग चार्जेस।	पर्यटन मंत्रालय से निधि के आवंटन हेतु प्रस्ताव संस्कृति मंत्रालय को भेजा गया। कार्य प्रगति पर है। ईसीआईएल को निधि आवंटित की जाएगी। कार्य प्रगति पर है।			
(v)	दीर्घाओं और कलाकृतियों के भंडार की स्थापना/ आधुनिकीकरण करना और लाइटिंग, क्लाइमेट	मेमोरियल की सभी दीर्घाओं को पुनः निर्मित करना/रिमॉडल करना जिसमें समुचित डिस्प्ले, लाइटिंग प्रणाली और क्लाइमेट कंट्रोल हो।			परिव्यक्त रेस्तरां और डोर्मिटरी की मरम्मत और नवीकरण। भवन से प्रशासनिक और लेखा इकाई का स्थानांतरण। थिमोटिक और विज्ञान प्रदर्शनी के साथ दीर्घाओं का आधुनिकीकरण। जलवायु नियंत्रित फिक्स्चर्स और आधुनिक भंडारण उपकरण के	मैसर्स एनबीसीसी लिमिटड को निधि प्रदान किया है। कार्य प्रगति पर है।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कंट्रोल, दर्शक सुविधा आदि की संस्थापना				साथ कतिपय भंडारों का आधुनिकीकरण।				
(vi)	कलाकृतियों का परिरक्षण, मरम्मत और संरक्षण	आधुनिक भारतीय इतिहास की सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण			कलाकृतियों का निवारक संरक्षण, 20 तेलाचित्रों, पुरावस्तु फ्रेम-6 का उपचारात्मक मरम्मत,, राज भवन, उच्च न्यायालय आदि जैसे अन्य संस्थानों के लिए तकनीकी सहायता, इनहाउस कार्यशाला, सेमिनार-3, संरक्षण स्थिति का अभिलेख, पुराने और दुर्लभ पुस्तकों की मरम्मत और जिल्दसाजी।	कार्य जारी है। -राज भवन को तकनीकी सहायता दी। खरीद प्रक्रिया प्रगति पर है। 4 मेट्ल हाल्फ बस्ट्स एवं 3 लाइफ साइज मार्बल मूर्तियाँ। -विशेषज्ञ समिति ने दिनांक 11 मई 12 का अपनी बैठक में उल्लेख किया कि सीजीडब्ल्युबी से विशेषज्ञ ने विस्तृत सर्वेक्षण के बाद वर्षा जल संग्रह हेतु प्रस्तावित स्थल के लिए विक्टोरिया स्मारक हॉल के अंदर भूमि का चयन किया है। सीजीडब्ल्यूबी से अंतिम रिपोर्ट प्रतीक्षित है। राज भवन, कोलकाता में 12 मार्बल बस्ट्स की संरक्षण स्थिति रिपोर्ट तैयार की गयी है। धातु सामग्रियों के संरक्षण पर दो दिवसीय इन हाउस सेमिनार सह कार्यशाला आयोजित की गई।			राजभवन, कोलकाता में 12 मार्बल बस्ट्स की संरक्षण स्थिति रिपोर्ट तैयार की गई है। संरक्षण प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियॉँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ग)	**इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद**	संग्रहालय के मुख्य कार्यों में कलाकृतियों का परिग्रहण, दीर्घाओं और पुस्तकालय को समृद्ध करने वाला रिजर्व और फोटोग्राफी यूनिट तथा प्रकाशन का पुनर्गठ्न शामिल है।	2.00	2.50	योजनेतर अनुदान से चिकित्सा प्रतिपूर्ति, फर्नीचर एवं फिक्सर, टेलीफोन और बिजली प्रभार, कानूनी प्रभार आदि भी पूरे किए जाते हैं।		2.92	2.03	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना खर्च के लिए किया जाता है
(i)	भवन का नवीकरण	स्टाफ और दर्शकों के लिए अपेक्षित अतिरिक्त स्थान समुचित ढंग से उपलब्ध कराने का लक्ष्य			भवन का वार्षिक मरम्मत के लिए संविदा, बुच कार्य की मरम्मत और सफाई, वर्षा और गर्मी से जनरेटर का संरक्षण करने के लिए टिन शेड, संग्रहालय भवन के बंगले के ड्राइव वे रोड और छत और निदेशक बंगले की मरम्मत और कुछ गैलरियों का वातानुकूलन	मौजूदा भवन के कुछ भागों को नया रूप दिया गया है और आवश्यक स्थल और कर्मचारी और आंगतुको के लिए सुविधाओं में भी वृद्धि की गई है। निदेशक के बंगले की मरम्मत और संग्रहालय परिसर में ड्राइव वे रोड की मरम्मत के लिए मद वार विवरण साथ ही प्राक्कलन भी मॉँगी गयी है।			निधियों के समय पर उपलब्ध होने पर प्रगति निर्भर है।
(ii)	पुस्तकालय फोटो ग्राफी प्रलेखन और उसका सुदृढ़ीकरण	पुस्तकालय संग्रह को सुदृढ़ करना और संग्रहालय के जर्नलों और खण्डों का सेट प्राप्त करना, ऐसी कतिपय पुस्तकों और जर्नलों की माइक्रोफिल्म बनाना जो संग्रहालय कर्मियों की टीम भेजने पर भी उपलब्ध नहीं			वर्गीकरण, कैटलाग बनाना और कंप्यूटरीकृत पुस्तक मांग सूची जैसे नेमीकार्य, पुस्तकों की बाइंडिंग, विशेषज्ञ लगाकर फारसी पाण्डुलिपियों का कैटलाग बनाना, पुस्तकालय साफ्टवेयर की खरीद, संग्रहालय की वस्तुओं का डिजिटाइजेशन, कंप्यूटर, एलसीडी	विभिन्न विषयों पर 364 पुस्तकें खरीदी गई और अभिगृहीत की गई, वर्गीकृत की गई और सूचीबद्ध की गयी। 8 दैनिक समाचार पत्र संग्रहालय में नियमित रूप से मंगाए गए। 2991 पाठ्क पुस्तकालय में आए और विद्वानों ने 322			

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		हो पाई और संग्रहालय के पुस्तकालय को समृद्ध करने के लिए महत्वपूर्ण पुस्तकें और जर्नल प्राप्त करना।			की खरीद, 20 इंची डीवीडी एन्लार्जर और सीडी प्लेयर/राइटर आदि। बैकग्राउंड के लिए चार कलर स्क्रीन और चार डिजिटल लाइट डिजिटल कैमरा एसएलआर आदि।	पुस्तकों को संदर्भ के रूप में देखा। पुरावस्तुओं और कला वस्तुओं का प्रलेखन सेमिनार, व्याख्यान कार्यशालाएं, प्रदर्शनियाँ आदि जैसे क्रियाकलापों को शामिल करके किया गया।			
(iii)	दीर्घाओं का आधुनिकीकरण	इस उद्देश्य में वूडेन पैनलिंग, नए शो केस/वूडेन खंड बनाना और संग्रहालय की मौजूदा विभिन्न दीर्घाओं का आधुनिकीकरण/पुनर्गठन करना शामिल है।			इलाहाबाद गैलरी, डिजीटल बैग ड्रोप, स्वतंत्रता संग्राम का फोटोग्राफ और अनुवाद, साहित्यिक व्यक्तित्व, इलाहाबाद फोर्ट फैकेड का निर्माण, प्रकाशमंच कलाकृतियों का प्रदर्शन, एसी आदि।	संग्रहालय और गैलरियों के दीवारों की पेंटिंग और केन्द्रीय हॉल के सीलिंग का कार्य पूरा किया गया। वातानुकूलन के मरम्मत का कार्य पूरा किया गया। जनरेटर के लिए डीजल खरीदी गई। कैपशन, शोकेस, गैलरी, शीट आदि का नवीकरण किया गया।			
(iv)	कलाकृतियों का अधिग्रहण	उपयुक्त अंतराल पर हुई कला क्रय समिति की बैठक के जरिए संग्रहालय के लिए कलाकृतियों का प्रापण			कला क्रय समिति की पहली और दूसरी बैठक क्रमशः, सितंबर 12 और फरवरी, 13 में आयोजित हो सकती है।	कुमार गुप्त ईगल टाइप सिलवर सिक्का; प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के 150वीं स्मारक सिक्का; दो सिक्के के 3 सेट-कुल 6सिक्के एक फस्ट डे कवर और पांच टिकट; रास लीला चित्रित करने वाली पेंटिंग; पाण्डुलिपि - गीतगोविन्द आदि अर्जित की गई।			यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी नकली एन्टिक अर्जित न किए जाएं।
(v)	प्रदर्शनी और	देश के उभरते कलाकारों को			प्रसिद्ध कलाकार, नवोदित	इसने फोटोग्राफ, पेंटिंग प्रदर्शनी			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	डिस्पले रिजर्व संग्रह का आयोजन। मॉडलिंग अनुभाग / शैक्षिक और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियां/ शोध अध्येतावृत्ति और अन्वेषण एवं रासायनिक संरक्षण प्रयोगशाला।	प्रोत्साहित करना और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों की धर्म और संस्कृति के ज्ञान में वृद्धि करना।			कलाकार की 4 प्रदर्शनी, पंडित मदन मोहन मालवीय, बंगाल कला स्कूल आयोजित की जाएगी। सिक्के / कीमती वस्तुओं का पुनर्गठन और आरक्षित संग्रह की कार्बनिक सामग्रियाँ, विविध स्मारक भाषण / विशेष व्याख्यान / आयोजित किया जाएगा, विद्वातापूर्ण प्रकृति के निर्दिष्ट कार्य हेतु फेलोशिप पुरस्कार धूमन का नियमित कार्य, संग्रहालय दीर्घाओं और आरक्षित संग्रह आदि का दीमक रोधी कार्य।	की विविध प्रदर्शनियाँ आयोजित की, विश्व विरासत सप्ताह मनाया और पुरातात्विक स्थलों पर 33 फोटोग्राफ की प्रदर्शनी आयोजित की। कुंभ मेला 2013 में इलाहाबाद के गिरिजाघरों की फोटो प्रदर्शनी, सदियों के माध्यम से इलाहाबाद शीर्षक प्रदर्शनी प्रदर्शित की। छवियों द्वारा संग्रहालय इतिहास प्रकाशन में लाने वाली प्रदर्शनी आयोजित की गई। पीओपी में मूर्तियों के 267 मॉड्यूल्स तैयार किए गए। फाइबर ग्लास की 29 मूर्तियाँ तैयार की गई और इन्हें बिक्री काउंटर में भेजा गया। संग्रहालय ने भारतीय संस्कृति के पुनःस्थापन पर दो दिवसीय और साथ ही 3 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार राष्ट्रीय सेमिनार और 'नो पोलिथीन बैग प्लीज' पर सेमिनार, एस रामानुजन और उनके योगदान पर व्याख्यान आयोजित किए। कला और पुरुषार्थी पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						सेमिनार आयोजित किए गए। 29 पेंटिग्स, 305 पत्थर की मूर्तियाँ, 36 पाण्डुलिपियाँ 34 धातु की वस्तुएँ, 6 टेक्स्टाइलस, 20 पुस्तकें, 1250 सिक्के आदि संबंधी कुल 1667 वस्तुओं का संरक्षण किया गया।			
(घ)	**राष्ट्रीय कला-इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान संग्रहालय संस्थान, नई दिल्ली**	कला, इतिहास, कलाकृतियों का संरक्षण और मरम्मत उनका संग्रहालय में डिस्प्ले और रख-रखाव।	0.27	4.40			0.27	4.40	सामान्यतया योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक एवं स्थापना खर्च के लिए किया जाता है।
(i)	अकादमिक कार्यक्रम	कला-इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान के क्षेत्रों में ज्ञान का प्रसार और संवर्धन। सेक्टर-62 नोएडा में 3 एकड़ भूमि पर अपना भवन बनाना।			एम. ए. और पीएचडी पाठ्यक्रमों और अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में छात्रों को प्रवेश देकर पाठ्यक्रम चलाना। -250 छात्रों को प्रवेश देना। प्रतिवर्ष तीन विषयों में 1-2 अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और 3-4 राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशाला,/ सम्मेलन 12 विशेष व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। यह परियोजना 12वीं योजना	उत्तीर्ण छात्रः एम ए-20, पीएचडी-2। अल्पकालिक पाठ्यक्रम जो 12 मार्च में शुरू हुई और जुलाई,12 में पूरी की गई। लद्दाख में पश्चिमी हिमालय के बौद्ध कला पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित की गई। संग्रहालय में संचार और व्याख्या पर कार्यशाला आयोजित की गई। छात्रों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम			

अध्याय IV (क) – विगत वर्ष–2012–13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	नोएडा परियोजना				अवधि के दौरान पूरी होने की संभावना है।	और प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। विशेष व्याख्यान, राजस्थान लघु चित्र पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, समकालीन कला पर प्रदर्शनी सह व्याख्यान आयोजित किए गए। –मूल्य वृद्धि में बढ़ोत्तरी के कारण निर्माण लागत का प्राक्कालन / संशोधन किया गया।			
(ङ)	**क्षेत्रीय और स्थानीय संग्रहालयों के 'संवर्धन और सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम**	क्षेत्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर मौजूदा संग्रहालयों के सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना।	---	15.50	स्कीम के अंतर्गत अनुदान हेतु 40 से अधिक संग्रहालय / एन जी ओ लाभान्वित होंगे।	10 पुराने मामले सहित 20 एनजीओ को वित्तीय सहायता दी गई। इसके अलावा वर्ष 2012–13 के दौरान इस स्कीम के अंतर्गत परियोजना अर्थात केरल सरकार से 3 और राजस्थान सरकार से 2 को अनुदान की संस्वीकृति दी गई और जारी किया गया।	--	13.94	

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(च)	**महानगरों में संग्रहालयों के आधुनिकीकरण के लिए स्कीम**	देश के कुछ संग्रहालयों को विश्व में सर्वोत्तम संग्रहालयों के समक्ष लाना।	--	9.00	छत्रपति शिवाजी वास्तु संग्रहालय (मुंबई) और सरकारी संग्रहालय, एगमोर संग्रहालय (चेन्नई) संग्रहालय के द्वितीय चरण का आधुनिकीकरण। इसके अलावा, वीएमएच, आईएम, सालारजंग संग्रहालय और राष्ट्रीय संग्रहालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप बनाने के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।	वर्ष 2012-13 के दौरान इस स्कीम के अंतर्गत भारतीय संग्रहालय, कोलकाता को 9.00 करोड़ रू. की राशि की संस्वीकृति दी गई और जारी की गई।	--	9.00	
(छ)	**वृंदावन अनुसंधान संस्थान, वृंदावन**	भारत की सांस्कृतिक विरासत को परिरक्षित करना।	0.20	0.50	ब्रज कला एवं संस्कृति पर विभिन्न अनुसंधान, प्रलेखन, सर्वेक्षण और प्रकाशन तथा पांडुलिपि का संरक्षण शुरू किया जाएगा।	ब्रज संस्कृति के विश्वकोश के लेखन के लिए बायोडेटा भेजने वाले 123 विद्वानों में से, केवल 101 विद्वानों का मात्र चयन किया गया। सलाहकार बैठक की तीन बैठकें आयोजित की गई। सर्वेक्षण और प्रलेखन के अंतर्गत वृन्दावन की माला विन्ध्य परम्परा और ब्रज की तुलसी कान्ति माला, सर्वेक्षण कार्य, विद्वानों और साधुओं की 15 साक्षात्कार आयोजित की गई। 300 फोटोग्राफी लिए गए पांडुलिपियों का संरक्षण किया गया। पुस्तकों को सूचीबद्ध	0.20	0.50	

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						किया गया।			
(ज)	**नई स्कीम** वृहद् संग्रहालय की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) स्कीम	देश के विविध भागों में संग्रहालय की उपलब्धता में मौजूदा अंतराल का समाधान करना।		0.50	कोलकाता आधुनिक कला संग्रहालय (केएमओएमए) और अन्य जैसे वृहद् संग्रहालय की स्थापना हेतु राज्य सरकार और सिविल सोसाइटी के सहयोग से पीपीपी पद्धति में वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।	फरवरी 2013 में न्यू हेड संग्रहालय स्कीम के अंतर्गत दो अन्य योजना स्कीमों के साथ इस स्कीम का विलय कर दिया गया है।			
(झ)	संग्रहालय संग्रह के डिजिटीकरण, उनकी सूची / इमेज को इंटरनेट में उपलब्ध कराने हेतु वित्तीय	विभिन्न स्तर (राष्ट्रीय, राज्य, क्षेत्रीय और स्थानीय संग्रहालय) पर संग्रहालय में उपलब्ध सभी कलाकृतियों और पुरावस्तुओं के राष्ट्रीय डेटाबेस का विकास करना		0.50	इसमें दो घटक शामिल हैं एक, अवसंरचना की स्थापना से और दूसरा सभी संग्रह के डिजिटीकरण से संबंधित है। केन्द्रीय, राज्य सरकार, निजी पंजीकृत संग्रहालय आदि के अंतर्गत संग्रहालयों को सहायता प्रदान की जाएगी।	फरवरी 2013 में अन्य स्कीमों के साथ इस स्कीम का भी विलय कर दिया गया है। अगले वित्तीय वर्ष से एनजीओ/संगठ्नों को सहायता अनुदान प्रदान करने हेतु आवेदन आमंत्रित।			
(ञ)	संग्रहालय पेशेवरों के लिए क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण स्कीम।	संग्रहालय पेशेवरों के पूरे पूल के विशेषज्ञता / कौशल स्तर के उन्नयन का लक्ष्य		0.50	संग्रहालय कर्मचारियों के लिए, विशेषज्ञों का समर्पित कैडर सृजित करने के लिएसंग्रहालय पेशेवर बनाने हेतु सेवाकालीन प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा।	फरवरी 2013 में अन्य स्कीमों के साथ इस स्कीम का भी विलय कर दिया गया है। अगले वित्तीय वर्ष से एनजीओ/संगठ्नों को सहायता अनुदान प्रदान करने हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ञ)	संग्रहालय संबंधित विषय हेतु प्रबंधन पाठ्यक्रम और अन्य अतिरिक्त शैक्षिक सुविधाओं हेतु वित्तीय सहायता की स्कीम	मौजूदा संस्थानों के सहयोग से संग्रहालय संबंधी विषय की विविधता पर शैक्षिक निवेश के साथ प्रशिक्षण प्रदान करने का उद्देश्य।		0.50	वर्ष के दौरान सुविधाओं की वृद्धि के साथ-साथ नए विभाग की स्थापना और नये पाठ्यक्रमों के प्रारंभन हेतु संस्थानों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।	फरवरी 2013 में अन्य स्कीमों के साथ इस स्कीम का भी विलय कर दिया गया है। अगले वित्तीय वर्ष से एनजीओ/संगठनों को सहायता अनुदान प्रदान करने हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।			
(त)	राष्ट्रीय विरासत स्थल आयोग की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता की स्कीम	देश की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा, संरक्षण और परिरक्षण हेतु प्रभावी और सक्रिय उपायों को सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय विरासत स्थल गठित करने का प्रस्ताव है।		0.50	राष्ट्रीय विरासत स्थल आयोग को वित्तीय सहायता दी जाएगी जिसे राष्ट्रीय विरासत स्थल आयोग बिल के अधीन गठित करने का प्रस्ताव है।	सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्कीम के ब्यौरे को अभी अनुमोदित किया जाना है।			
(थ)	राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण के लिए वित्तीय सहायता	राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण को वित्तीय सहायता प्रदान करने का उद्देश्य है।		5.00	एएमएएसआर अधिनियम, 2010 के अंतर्गत गठित राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी	सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्कीम के ब्यौरे को अभी अनुमोदित किया जाना है।			
(द)	प्रस्तावित राष्ट्रीय संग्रहालय प्राधिकरण के लिए वित्तीय	विविध संग्रहालय को उनके प्रभावकारी प्रबंधन के लिए एक विनियामक निकाय के संचालन के अधीन लाते हुए देश में संग्रहालय महत्व को		0.50	एक केन्द्रीय प्राधिकरण अर्थात राष्ट्रीय संग्रहालय प्राधिकरण का गठन करना और एनएमए को-भी सहायता अनुदान के द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान	सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्कीम के ब्यौरे को अभी अनुमोदित किया जाना है।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सहायता	बढावा देने का उद्देश्य है।			करने का प्रस्ताव है।				
(ध)	केन्द्रीय सांस्कृतिक विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता की स्कीम।	देश में सांस्कृतिक जागरूकता के महत्व को बढावा देने का उद्देश्य।		0.50	विविध सांस्कृतिक विषयों की देख-रेख करने वाले एक केन्द्रीय सांस्कृतिक विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।	सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्कीम के ब्यौरे को अभी अनुमोदित किया जाना है।			
(न)	नृविज्ञान के क्षेत्र में शोध परिणाम के प्रलेखन और प्रसार हेतु राज्य सरकारों, संस्थानों और संगठनों को सहायता	नृविज्ञान के क्षेत्र में प्रलेखन, डिजिटीकरण आदि हेतु बाहरी संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना		0.50	भारतीय नृविज्ञान सर्वेक्षण - राज्य सरकार के वैज्ञानिक विभाग, विश्वविद्यालयों के नृविज्ञान विभाग, एनजीओ आदि द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।	वर्ष 2013-14 से इस स्कीम को इसके कार्यान्वयन हेतु भारतीय नृविज्ञान सर्वेक्षण को हस्तांतरित किया गया है।			
28.	**राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता**	भारत से संबंधित भारत तथा विदेश में तैयार की गई सभी पठन और सूचना सामग्री के आधान के रूप में सेवा प्रदान करना।	23.00	15.00			21.99	15.94	सामान्यतः गैर योजना अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना योजना के लिए किया जाता है।
(i)	संग्रह निर्माण और पुस्तक	भारत में प्रकाशित पुस्तकों और अन्य मुद्रित सामग्रियों			डीबी अधिनियम/ क्रय द्वारा विदेशी पुस्तकें - 4500	40000 भारतीय प्रकाशनों का अधिग्रहण अभिग्रहण किया			पुस्तक एवं समाचार पत्र वितरण

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकाशन आंकड़े।	का संग्रह करना, विदेशी पुस्तकों तथा आवधिक पत्रिकाओं को प्राप्त करना।			शीर्षकें - 720 40,000 भारतीय प्रकाशनों का अधिग्रहण करने का लक्ष्य है।	गया। 4250 विदेशी पुस्तकें खरीदी गई। ई जर्नल सहित विदेशी जर्नलों की 702 पुस्तकें खरीदी गई।			अधिनियम, 1954 के अंतर्गत संग्रहण प्रकाशकों के सहयोग पर निर्भर करता है।
(ii)	पाठक सेवाएं प्रोजेक्ट रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेन्टिफिकेशन डिवाइस (आरएफआईडी) एवं पुराने, दुर्लभ प्रकाशनों डिजिटीकरण।	प्रयोगशाला का रेट्रो-संरक्षण, डिजिटीकरण तथा आधुनिकीकरण, कम्प्यूटर इकाईयों का परिरक्षण।			बाहरी एजेंसियों के माध्यम से रेडियो फ्रीक्वेंसी डिवाइस द्वारा पुस्तकालय के पुस्तकों की पहचान। यह पुराने दुर्लभ भंगुर पुस्तकों के संरक्षण के लिए लिया गया था। 2.5 मिलियन से अधिक पृष्ठों को स्कैन किया गया और 25 लाख पृष्ठों का डिजिटीकरण किया जाना है।	550000 कार्डों का निर्माण किया गया और कार्य पूरा किया गया है। लेकिन संस्कृति मंत्रालय के प्रशासनिक अनुमोदन के कारण भुगतान देय है।			
(iii)	प्रशासन का सुदृढ़ीकरण	भाषा भवन की सुरक्षा और सफाई सेवाओं की आउटसोर्सिंग			पुस्तकालय के आउटसोर्स किये हुए गार्डों, सफाई कर्मचारियों और अन्य को भुगतान।	इस कार्यक्रम के लिए संस्कृति मंत्रालय के प्रशासनिक अनुमोदन की आवश्यकता है।			यह समय से प्रशासनिक अनुमोदन पर निर्भर करता है।
29.	**दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी**	दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के व्यक्तियों को निःशुल्क पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ प्रदान करना और दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में सचल पुस्तकालय सेवाएँ प्रदान करना।	12.00	5.00	सामान्यता प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।		13.10	0.06	

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	संग्रह विकास	जन समूह में पढ़ने की आदत पैदा करने के लिए पुस्तकालय संग्रहालय को बढाने हेतु विभिन्न भाषाओं में पुस्तकें सीडी / डीवीडी की खरीद।			लगभग 5000 शीर्षक (डी पी एल प्रणाली के लिए अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, पंजाबी में 60,000 बहुल प्रतियाँ खरीदी जानी हैं। इसके साथ ही श्रव्य दृश्य कैसेट और संदर्भ पुस्तकें आदि भी खरीदे जाएंगे।	संपूर्ण प्रणाली हेतु लगभग 40517 पुस्तकें खरीदी गई।			
(ii)	संरक्षण और परिरक्षण	रख-रखाव और मरम्मत के माध्यम से पठन सामग्रियों को बनाए रखना।			लगभग 20-25 हजार खंडों की पुस्तकें वाणिज्यिक जिल्दसाजों के माध्यम से जिल्द चढ़वानी है। एजेंसी की सेवाएं लेते हुए पुस्तकों के दुलर्भ संग्रह को अंकीकृत किया जाएगा।	4685 पुस्तक और 113 गजट की जिल्दसाजों द्वारा बंधाई की गई।			
(iii)	पुस्तकालय का आधुनिकीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी का विकास लोक इंटरनेट अभिगम सदस्यता अभियान	बेहतर माध्यम से पाठ्कों की सेवा करना और पाठ्कों को लोक इंटरनेट अभिगम प्रदान करना और अन्य आधुनिकीकरण प्रदान करना। इसके अलावा, पुस्तकालयों में आंगतुकों की संख्या में वृद्धि करना।			डीपीएल, 9 इकाइयों में लीस्ड लाइन कनेक्शन द्वारा निःशुल्क इंटरनेट अभिगम प्रदान करता है। ऐसे वार्षिक शुल्क के कनेक्शन के लिए सेवा प्रदाताओं को भुगतान किया जाना है। पुस्तकालय फर्नीचर, रैक, कार्ड कैबिनेट, फोटोपियर और अन्य उपकरणों को खरीदने का प्रस्ताव है। मौजूदा सदस्यता में 10-20% वृद्धि करना।	अन्य 6 यूनिटों यथा करोलबाग, विनोबा पुरी, जनकपुरी, नरेला, आर.के.पुरम सेक्टर-8 और शाहदरा पुस्तकालयों में निःशुल्क इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार किया गया है। डीपीएल के द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों के कारण इसकी सदस्यता बढ़कर 80,448 हो गई है।			
(iv)	**सेमिनार/**	कर्मचारियों में नये			वर्ष के दौरान करीब 25 स्टाफों	विभिन्न प्रशिक्षणों और सेमिनारों			

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	व्याख्यान/ प्रशिक्षण	व्यावसायिक कौशल और दक्षता का विकास करना।			को प्रशिक्षित किया जाएगा।	तथा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राक्रियाधीन हैं।			
	नई स्कीम (क) नए पुस्तकालयों का खोलना (ख) मोबाइल वैन पुस्तकालय सेवा प्रदान करना। (ग) दिल्ली के चयनित पुस्तकालयों में कार्य के समय को बढ़ाना। (घ)4 पुस्तकालयों के लिए फ्लोट की खरीद	पाठकों के पास पुस्तकालय सेवा लाना। दूरदराज के क्षेत्रों में पुस्तकालय सेवा बढ़ाना। दिल्ली के पूर्वोत्तर क्षेत्रों में ब्रेल पुस्तकालय शुरू करना।			सोसायटी के कमजोर वर्गों के आवासीय क्षेत्रों में और दिल्ली के अन्य भागों में नए पुस्तकालय खोलने का प्रस्ताव है। पार्षद, एमएलए के वार्ड निर्वाचन क्षेत्रों में मोबाइल वैन सेवाएं प्रदान करना। काम करने का समय बढ़ाना / आर के पुरम और अशोक विहार, बवाना जैसे अन्य जगहों में ब्रेल पुस्तकालय का निर्माण किया जाना है।	सीपीडब्ल्युडी को अग्रिम भुगतान किया गया। वातानुकूलन, कूलर, फर्नीचर, कंप्यूटर, टेबल, यूपीएस आदि जैसे बुनियादी वस्तुओं की खरीदी गई।			
30.	**राजा राममोहन रॉय पुस्तकालय प्रतिष्ठान**	देश में सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन को प्रोत्साहित करना और सहायता देना।	4.00	33.00	सामान्यतया प्रशासनिक और स्थापना व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का उपयोग किया जाता है		3.90	40.99	

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	मैचिग स्कीमः (क) पुस्तकों के पर्याप्त स्टॉक के निर्माण के लिए सहायता (ख) मोबाइल पुस्तकालय और ग्रामीण पुस्तक भंडार केन्द्रों के संगठन के लिए सहायता। (ग) पुस्तकों के भंडारण के लिए सहायता। (घ) सेमिनार, कार्यशाला आदि और जागरूकता कार्यक्रम के लिए सहायता। (ड.) सुविधा बढाने हेतु जिला स्तर के	पुस्तकालयों के पुस्तक स्टॉक की पुनःपूर्ति। दूरदराज के क्षेत्रों में पुस्तकालय सुविधा प्रदान करना भंडारण सामग्रियाँ प्रदान करना, पुस्तकालय पेशेवरों के लिए अभिविन्यास, जागरूकता प्रदान करना पुस्तकालय भवन का निर्माण / दृश्य-श्रव्य सामग्री उपलब्ध करना और स्वचालन हेतु कंप्यूटर को उपलब्ध करना। पुस्तकालय सेवा प्रदान करके स्वैच्छिक उत्साह को बढावा देना बच्चों के बीच पुस्तक पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना।			1000 पुस्तकालयों को 3 करोड पुस्तकों के साथ सहायता प्रदान करना। पुस्तकालय - 10 पुस्तकालय -3500 संगठन - 80 पुस्तकालय -140 पुस्तकालय-70 पुस्तकालय -260	पुस्तकालय - 11641 पुस्तकालय - 8 पुस्तकालय - 3848 पुस्तकालय - 129 पुस्तकालय - 61			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	नीचे के पुस्तकालयों को सहायता। (च)पुस्तकालय उद्देश्य हेतु कंप्यूटर / शैक्षिक उद्देश्य हेतु टी वी सह वीसीपी सेट की अधिग्रहण के लिए सहायता **गैर मैचिग स्कीमः** स्वैच्छिक संगठनों को सहायता -बाल पुस्तकालयों और सामान्य सार्वजनिक पुस्तकालयों के बाल खण्ड को सहायता -केन्द्रीय चयन के माध्यम से राज्य केंद्रीय पुस्तकालयों एवं	हाल की महंगी पुस्तकों से पुस्तक के भंडार की पुनःपूर्ति करना। ग्रामीण लोगों के बीच पुस्तक पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना। राष्ट्रीय व्यवसायिक संगठनों को बढ़ावा देना।			पुस्तकालय - 175 पुस्तकालय -479 पुस्तक -1.5 करोड पुस्तकालय - 37 संगठन -5 पुस्तकालय -35 पुस्तकालय - 100	पुस्तकालय - 424 पुस्तकालय - 87 पुस्तकालय - 52 पुस्तकालय-382 पुस्तकालय-51 पुस्तकालय-6 पुस्तकालय-17 पुस्तकालय-11 पुस्तकालय-1 पुस्तकालय-10			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियॉं (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	जिला पुस्तकालयों की सहायता। -केन्द्रीय प्रायोजित पुस्तकालयों के लिए सहायता। सेमिनारों, सम्मेलनों इत्यादि के लिए अखिल भारतीय पुस्तकालय संघ को सहायता। -शताब्दी समारोहों के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों को सहायता -बाल-नुक्कड़ की स्थापना के लिए सहायता। -सरकारी एवं गैर सरकारी	पुराने पुस्तकालयों को प्रोत्साहित करना। बाल प्रयोक्ताओं को आकर्षित करना। विकलांग लोगों को पुस्तकालय सुविधाएं प्रदान करना।							

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	एजेंसियों के माध्यम से पुस्तकालय सांख्यिकी के संग्रह और संकलन के लिए सहायता। -विकलांग लोगों के लिए कार्नर की स्थापना हेतु सहायता								
31.	**अन्य पुस्तकालय**								
(क)	**केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कोलकाता**	(क) भारतीय राष्ट्रीय बिब्लियोग्राफी का संकलन और प्रकाशन (रोमन लिपि तथा संबंधित भाषा लिपियों में) जो भारतीय संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय भाषाओं में और अंग्रेजी में मौजूदा भारतीय प्रकाशनों की ग्रंथ सूची है तथा (ख) इंडेक्स इंडियाना का संकलन और प्रकाशन	2.15	0.60			2.15	0.20	सामान्यतः प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
	भारतीय राष्ट्रीय	1. आई एन बी वार्षिक खंड			(क) आइएनबी 2010 के वार्षिक	इंडियन नेशनल बायोग्राफी			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	ग्रन्थसूची और इंडेक्स इंडियाना (क)भारतीय राष्ट्रीय ग्रन्थसूची का प्रकाशन (ख) वार्षिक खंड 2010 आईएनबी का संकलन (ग) एवी 2010 आईएनबी का मासिक अंक जनवरी - दिसंबर 2012 इंडेक्स इंडियाना 2004-2009 **अन्य कार्यकलाप** क. ग्रंथ सूची के संकलन में पुस्तकालय विज्ञान के विद्यार्थियों के	2010 का प्रकाशन 2. आइनबी जुलाई 2010 और जनवरी से अक्टूबर, 2011 का मासिक अंक 3. इडेक्स इंडियाना का संकलन और प्रकाशन। 1) ग्रन्थसूची के संकलन में पुस्तकालय विज्ञान छात्रों को शिक्षुता। 2) पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास कार्यक्रम 3) भाषा ग्रन्थ सूचियाँ बंगाली तमिल, हिन्दी, मलयालम, उर्दु।			खंड की 250 प्रतियाँ (ख)आइएनबी 2012 जनवरी से मई तक का मासिक अंक इंडेक्स इंडियाना, 2004-2010 संचय खंड का मुद्रण और प्रकाशन / कुछ समस्याओं के कारण अभी तक शुरू नहीं हुआ है। अरूणाचल प्रदेश में प्रशिक्षण सह कार्यशाला कार्यक्रम मलयालम 2011, मराठी 2010 उर्दु ग्रंथसूची 2006-2010, 2011	2010-2011 का मुद्रण पूरा किया गया और इसे प्राप्त किया गया। एवी 2011 पूरा किया गया और यह विक्रय के लिए तैयार है। सभी प्रकाशित किये गये। पाण्डुलिपि पूरी की गई और मुद्रण के लिए तैयार है। 3 कार्यशालाएँ आयोजित की गई। राष्ट्रीय पुस्तक मेला आयोजित की गई और भाषाओं का प्रकाशन किया गया। मलयालयम 2010 एवं 2011, प्रकाशित की गई। मराठी 2010 उर्दु 2006-2010 एवं 2011 बंगाला 2010-12			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	लिए प्रशिक्षु ख. क्षेत्रीय भाषाओं में ग्रंथ सूचियों के संकलन में पूर्वोत्तर के व्यवसायिकों के लिए प्रशिक्षण ग. भाषा ग्रंथ सूचियां, बंगाली, तमिल, हिंदी, मराठी मलयालम, गुजराती, उर्दु								
(ख)	**खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी पटना**	यह पुस्तकालय मौलवी मोहम्मद बख्श के व्यक्तिगत संग्रह से बना है जो साहित्य प्रेमी तथा पुस्तकों के प्रेमी थे। इसमें 20000 से अधिक पांडुलिपियां और कुछ दुर्लभ मुद्रित पुस्तके हैं।	2.50	1.50		सामान्यतः प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।	3.06	1.24	
(i)	अधिग्रहण : पुस्तकों, पांडुलिपियों, माइक्रोफिल्मों	पुस्तकें, पांडुलिपियां, माइक्रोफिल्म तथा ऑडियो व वीडियो सीडी पाठकों के उपयोग के लिए प्राप्त			5000 मुद्रित पुस्तकों, 50 पांडुलिपियों और सावधिक पत्रिकाओं के 120 शीर्षकों को खरीदना।	4664 मुद्रित पुस्तकें, 26 पाण्डुलिपियाँ, सावधिक पत्रिकाओं के 512 शीर्षक और 99 ऑडियो वीडियो कैसेट और 11			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	तथा वीडियो और ऑडियो कैसेटों की खरीद	करना।				सीडी खरीदी गई।			
(ii)	पाण्डुलिपियों के विवरणात्मक सूची की तैयारी	बाहर के पाठकों को छुपे हुए खजाने से परिचित कराना। इन पाण्डुलिपियों के विवरणात्मक सूची का संकलन करना और इसके बाद मुद्रण करना और वेब पर डालना।			300 पाण्डुलिपियों के विवरणात्मक सूची का संकलन।	वर्ष के दौरान पुस्तकालय द्वारा कोई कार्य शुरू नहीं किया जा सका।			
(iii)	शोध और प्रकाशन : दुर्लभ सामग्री का प्रकाशन कैटलॉग का मुद्रण, शोध संगोष्ठियां व्याख्यान और सांस्कृतिक कार्यक्रम, खुदाबख्श शोध अध्येता वृत्तियां और त्रैमासिक पत्रिका का	पांडुलिपियों के महत्वपूर्ण अंकों का प्रकाशन करना, दुर्लभ मूल्य की पुस्तकों का, प्रतिष्ठित विद्धानों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का प्रकाशन करना। बाहर रहनेवालों को विवरणात्मक कैटेलॉग के छुपे हुए खजाने से परिचित कराना। संगोष्ठियां, सुप्रतिष्ठित व्यक्तियों के व्याख्यान आयोजित करना। विख्यात			20 पुस्तकों का प्रकाशन 3 का अंग्रेजी अनुवाद 1 का हिंदी अनुवाद और 2 दुर्लभ पांडुलिपियों की अनुकृति सूचीपत्र के 2 खंडों का मुद्रण तथा हैंडलिस्ट का एक खंड, निम्नलिखित का आयोजन करना। राष्ट्रीय सेमिनार - 2 वार्षिक व्याख्यान - 1 विस्तार व्याख्यान - 4 लोकप्रिय व्याख्यान - 12*	5 पुस्तकों का प्रकाशन किया गया, 4 सेमिनार, 1 वार्षिक व्याख्यान, 4 विस्तार व्याख्यान, 1 लोकप्रिय व्याख्यान, 2 मुशायरा, 1 प्रदर्शनी और कुछ अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की गई। 2 वरिष्ठ और 5 कनिष्ठ फेलो काम कर रहे हैं। 1टैगोर राष्ट्रीय फेलो भी काम कर रहा है। तिमाही जर्नल के तीन अंकों का प्रकाशन। दिनांक 2,3 अगस्त को संस्थापक दिवस मनाया गया।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकाशन	विद्धानों को अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्तियां।							
(iv)	संरक्षण और परिरक्षण : परिरक्षण प्रयोगशाला और पुस्तक परिरक्षण और रैप्रोग्राफिक सुविधाओं का विकास, आधुनिकीकरण और स्वचालन समारोहों और प्रदर्शनियों का आयोजन,	नेमी अनुरक्षण, उपचारात्मक तथा निवारक और परिरक्षण के लिए परिरक्षण प्रयोगशाला। पुस्तकों को ठीक स्थिति में रखना।			पुस्तकों और पाण्डुलिपियों के निरोधक और निवारक परिरक्षण के लिए नेमी कार्यकलाप मुद्रित पुस्तकों और पाण्डुलिपियों को संविदा आधार पर जिल्दसाजी करवाना पाण्डुलिपियों को पुनः स्कैन करने का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। एक ई-पुस्तकालय की स्थापना की परियोजना एनआइसीएसआइ को सौंपी जानी है।	पुस्तक और पाण्डुलिपियों के निवारक और उपचारात्मक संरक्षण के लिए नियमित गतिविधियाँ शुरू की गई। संविदा के आधार पर 128 पाण्डुलिपियाँ 551 मुद्रित पुस्तकों का जिल्दसाजी करवाया गया। 7 पैक स्टाक डबल फेस्ड और पुस्तकों के धूल हटाने और सफाई में कार्यरत श्रमिकों की मजदूरी। कंप्यूटर के लिए 5 कैबिनट और कुर्सी खरीदी गई। 1 डिजिटल फ्रांकिंग मशीन खरीदी गई। रिट्रीवल साफ्टवेयर हेतु मेटाडेटा पर कार्य की तैयार की जा रही है।			
(ग)	**तंजावुर महाराजा सरफोजी सरस्वती महल पुस्तकालय, तंजावुर**	यह संस्कृति और ज्ञान का एक अमूल्य भंडार है इसकी परिकल्पना 16वीं शताब्दी में रॉयल पैलेस पुस्तकालय के रूप में की गई थी	-	**0.50**			--		
(i)	संस्कृत, तमिल, मराठी इत्यादि	पांडुलिपियों का अनुवाद, लिप्यंतरण और पुस्तकों को			इस वर्ष 14 नई पुस्तकों और 10 पुनर्मुद्रण का काम किया	लक्ष्य प्राप्त हुई।			

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	में पांडुलिपि से पुस्तकों का प्रकाशन	प्रकाशित करना।			जाएगा।				
(ii)	संरक्षण	ताड़ के पत्तों पर सिट्रोनेला तेल लगाना तथा कागज पर लिखी गई पांडुलिपियों/बहुमूल्य पुरानी पुस्तकों इत्यादि को परिरक्षित करना।			पांडुलिपियों के 110000 पत्तों साफ करना तथा 2000 पुस्तकों को मरम्मत करना और परिरक्षित करना।	लक्ष्य प्राप्त हुए।			
(iii)	रिप्रोग्राफी	परिरक्षण हेतु पांडुलिपियों और दुर्लभ पुस्तकों की माइक्रो फिल्म बनाना।			1000 नई तमिल पांडुलिपियों की माईक्रोफिल्म बनाना और साफ करना।	लक्ष्य प्राप्त हुए।			
(घ)	**तिब्बती कार्य और अभिलेखागार पुस्तकालय, धर्मशाला, हि. प्र.**	इसका उद्देश्य पुराने बौद्ध पाण्डुलिपियों और कलाकृतियों का संरक्षण और अधिग्रहण करना, शोध प्रकाशन, शिक्षा, संवर्धन, विकास आदि करना है।	1.50	0.55	शोध,शिक्षा,प्रकाशन, संवर्धन संरक्षण, विकास आदि।	रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान बौद्य दर्शन शास्त्र और तिब्बती कला और संस्कृति में शोध सुविधाएँ प्रदान करने के लिए पुस्तकालय के विकास हेतु गतिविधियाँ शुरू की गई है।	1.35	0.41	योजनेत्तर क्षेत्र से प्राप्त निधियों का उपयोग प्रायः स्थापना खर्च के लिए किया जाता है।
(ङ)	**रामपुर रजा पुस्तकालय रामपुर**	पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य भारत-इस्लामी पांडुलिपियों, लघु चित्रों, पुस्तकों तथा	1.30	3.00			1.48	2.27	सामान्यतः प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		पुस्तकालय में कला और विज्ञान की अन्य वस्तुओं को प्राप्त करना और संरक्षित करना है तथा संदर्भ और शोध के एक केन्द्र के रूप में कार्य करना तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व के कला केन्द्र के रूप में भी कार्य करना है।							के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	प्रकाशन और मुद्रण	अरबी, फारसी और संस्कृत पांडुलिपियों के पाठ्य पुस्तकों का प्रकाशन।			प्रकाशन परियोजनाओं में इतिहास और संस्कृति पर पुस्तकों का प्रकाशन, सूची, जर्नल, एमएसएस पाठ, पेंटिग का मोनोग्राफ, तकनीकी रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट रंगीन चित्र, पोस्टकार्ड आदि शामिल हैं।	12 पुस्तकें प्रकाशित की गई।			
(ii)	दो विरासत भवनों का परिरक्षण और पुनरूद्धार।	रज़ा पुस्तकालय की दो ऐतिहासिक महल नामतः हामिद मंज़िल और रंग महल पुरातत्वीय महत्व के स्मारक हैं, जिसे मरम्मत किए जाने की-तत्काल जरूरत है, जिसका अनुमोदन रामपुर रजा पुस्तकालय बोर्ड ने 37वीं बैठक में दिया था।			हमीद मंजिल के कक्षाओं के अधिकांश सजावटी छत की मरम्मत की गई है और बाकि का वर्ष 2012-13 में पूरा किया जाएगा।	2 विरासत भवन की बावत लघु मरम्मत की गई।			
(iii)	पुस्तकों,	अनुसंधान विद्वानों की मांग			पुस्तकालय दुर्लभ एमएसएस,	252 मुद्रित पुस्तकें और 10%			*

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पांडुलिपियों का प्रापण, छात्रवृति और पुरस्कार सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी संकलनों का परिरक्षण एवं संरक्षण, आईटी का कंप्यूटरीकरण और अनुप्रयोजन, सीआईएसएफ का नियोजन, प्रशिक्षण कार्यक्रम और दरबार हाल संग्रहालय का आधुनिकीकरण	को पूरा करने के लिए दुर्लभ पांडुलिपियों, पुस्तकों और कला वस्तुओं का प्रापण विद्वानों, अकादमीविदों के तालमेल के लिए अकादमिक और सांस्कृतिक कार्यकलाप आयोजित करना। पुस्तकालय के मूल्यवान संकलन की रक्षा करना।			मुद्रित पुस्तकें और कलाकृतियों का प्रापण करेगा, 10 छात्रवृतियां और 3 पुरस्कार, 3 सेमिनार 2 कार्यशालाएं 2 प्रदर्शनियां और 2 व्याख्यान मुशायरा और कवि सम्मेलन एमएसएस, चित्रों, कलाकृतियों का प्रलेखन किया जाएगा। दुर्लभ एमएसएस, के 8000 पृष्ठों, कलाकृतियों, पुस्तकों, चित्रों का संरक्षण। कैलिग्राफी के लगभग 2 लाख एमएसएस नमूनों को डिजिटाइज किया जाएगा।	दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ, पुस्तक और कला वस्तुएँ। छः अध्येतावृत्ति प्रदान की गई 15 अनुवादक अनुवाद कार्य हेतु सम्मानित किये गये। प्रदर्शनी, 2 मुशायरा, कवि सममेलन, 2 सेमिनार, और व्याख्यान आयोजित किए गए। पाण्डुलिपियाँ, पेंटिंग और कला वस्तुओं का प्रलेखन किया जाना है। एम एस एस के 4020 पृष्ठ, मुद्रित पुस्तकों के 1726 पृष्ठ, 3 लघुचित्र 38057 फ्यूमिगेशन, 3750 निवारक संरक्षण और 1061 जिल्दसाज पुस्तक / एमएसएस 10 लगभग 4 लाख पृष्ठों का डिजिटिकरण किया गया । 26 सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए। कंप्यूटर, साउंड सिस्टम और अन्य उपकरण खरीदे गए।			26 सुरक्षा गार्ड लगाये गए।
(च)	**राष्ट्रीय पांडुलिपि परिरक्षण मिशन**	मिशन का उद्देश्य पूरे देश की बहुमूल्य पांडुलिपियों के कैटेलॉग बनाना, उनका संरक्षण करना और संग्रह	--	6.50				7.50	

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		करना तथा पांडुलिपि संसाधन केन्द्रों, पांडुलिपि संरक्षण केन्द्रों को सुदृढ़ बनाना और गौरवपूर्ण पांडुलिपियों के कैटेलॉगों का डिजिटीकरण करना है।							
(i)	राष्ट्रीय पांडुलिपि पुस्तकालय एवं माइक्रो फिल्मिंग	राष्ट्रीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय का निर्माण और माइक्रोफिल्मिंग के लिए डिजीटल डेटा बनाना			दो वर्ष के अन्दर राष्ट्रीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय बनाना। माइक्रोफिल्मिंग के लिए डिजीटल डेटा बनाना।	चयनित पार्टियों द्वारा डिजिटीकरण का कार्य चल रहा है। लगभग 1 करोड इमेजों का डिजिटीकरण किया गया।			
(ii)	एमआरसी द्वारा नेटवर्किंग	एमआरसी में उपलब्ध पाण्डुलिपियों का दस्तावेजीकरण			कुल 56 मौजूदा एमआरसी हैं। अनुदान @ 4.5 लाख + 4.5 लाख +4.5 लाख +6 लाख की दर से जारी किये जाते हैं जो वास्तविक निष्पादन तक सीमित होता है।	सभी 56 एमआरसी को वार्षिक अनुदान जारी किए गए। वर्ष के दौरान लगभग तीन पाण्डुलिपियों का प्रलेखन किया गया।			
(iii)	पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र (एमसीसी) द्वारा नेटवर्किंग	संरक्षण और संबंध क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने का उद्देश्य और मांग के आधार पर संरक्षण प्रदान करना।			कुल 50 मौजूदा एमसीसी हैं। अनुदान @ 2.5 लाख जमा 2.5 लाख की दर से जारी किये जाते हैं जो वास्तविक निष्पादन तक सीमित होता है।	सभी मौजूदा 50 एमसीसी को वार्षिक अनुदान जारी किए गए। लगभग 15 लाख फोलियो का निवारक संरक्षण और 3 लाख फोलियो का उपचारात्मक संरक्षण शुरू किया गया।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	संरक्षण कार्यशाला और प्रशिक्षण	मांग के आधार पर निवारक दुलर्भ सहायता; उपचारात्मक कार्यशाला आदि आयोजित करना।			मांग के आधार पर निवारक, दुलर्भ सहायता, उपचारात्मक कार्यशाला आयोजित करना और संरक्षण प्रदान करना।	750 अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु लगभग 25 कार्यशालाएं आयोजित की गई।			
(v)	अनुसंधान और प्रकाशन तथा पब्लिक आउटरीच	मुद्रित पुस्तकों का संपादन और प्रकाशन /तत्वबोध व्याख्यान और सेमिनारों व प्रदर्शनियों का आयोजन।			अनुसंधान और प्रकाशन। तत्वाबोध पर व्याख्यान श्रृंखला आयोजित करना।	मूल पाठ के रूप में चित्रित पुस्तकों के सम्पादन और प्रकाशन से संबंधित कार्य चल रहा है। विविध अनछुए विषयों पर 24 व्याख्यान आयोजित किए गए।			
(vi)	डिजिटीकरण	महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का डिजिटीकरण करना।			महत्वपूर्ण पांडुलिपियों को डिजिटाइज करना।	वर्ष के दौरान लगभग 1 करोड इमेजों का डिजिटीकरण किया गया।			
(vii)	राष्ट्रीय सर्वेक्षण एवं बाद का सर्वेक्षण	पांडुलिपियों की पहचान करने के लिए राष्ट्रीय सर्वेक्षण करना।			एमएसएस की उपलब्धता का पता लगाना और सर्वेक्षण में पता चले एमएसएस का प्रलेखन करना।	25 लाख अधिक पाण्डुलिपियों के पहचान हेतु 10 चरण के लंबित जिले शामिल किए गए। 1.5 लाख से अधिक पाण्डुलिपियों की पहचान हेतु 5 और राज्य शामिल किए गए।			

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(viii)	पांडुलिपि विज्ञान और पैलियोग्राफी कार्यशाला और प्रशिक्षण - एनईआर गतिविधियाँ	विश्वविद्यालयों के जरिए पांडुलिपि विज्ञान को बढ़ावा देना।			कार्यशाला और प्रशिक्षण के स्तर I/II/III चलाना। एमआरसी/एमसीसी का संचालन।	लगभग 450 विद्वानों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए क्षेत्रवार 15 कार्यशालाएँ आयोजित की गई और 12 पाण्डुलिपियां सम्पादित की गई।			
(छ)	**एक आयोग का गठन करने हेतु राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन की स्थापना करना।**	सार्वजनिक पुस्तकालयों की समस्याओं पर ध्यान देना और एक समय-सीमा के भीतर सार्वजनिक पुस्तकालयों की अवसंरचना तथा प्रौद्योगिकीय पर्यावरण का उन्नयन करना।	--	6.00	विविध पुस्तकालयों के विकास हेतु, राष्ट्रीय पुस्तकालय आयोग के अधीन शामिल करने का प्रस्ताव है। वर्ष 2012-13 के दौरान इस स्कीम की अधीन सीधे आरआरआरएलएफ के माध्यम से भी 100 संगठनों को आधुनिकीकरण हेतु, और नेटवर्किंग हेतु, 62 संगठनों को आधुनिक पुस्तकालय के निर्माण हेतु, 105 संगठनों को अवसंरचना के उन्नयन हेतु, 45000 संगठनों को पुस्तकालय की गणना हेतु संबंधित पुस्तकालयों को सहायता अनुदान दी जाएगी।	भारत को 21 सदी में ज्ञान समूह के रूप में परिवर्तित करने की चुनौती संबंधी अधिदेश के साथ 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन स्थापित करने का प्रस्ताव है। इस स्कीम का कार्यान्वयन पूरे भारत में विविध संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के माध्यम से आरआरआरएलएफ द्वारा शुरू किया गया है।	--	3.00	

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ज)	**एशियाटिक सोसायटी, मुम्बई**	सामान्यतया एशिया और खासकर भारत के संबंध में दर्शन, भाषा, कला और समाज विज्ञान के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान संस्थान। अपनी भूमिका को बनाए रखने और वृद्धि करने के लिए दुर्लभ पांडुलिपियों और कलाकृतियों का पुस्तकालय और विरासत संग्रहालय का रखरखाव करना।	--	1.00	700 मुद्रित पुस्तकों की खरीद, प्रतिदिन 750 पृष्ठों की माइक्रोफिल्म तैयार करना, संरक्षण/रासायनिक उपचार 1400 पुस्तकों को धूम्रीकृत किया जाना 60500 पृष्ठों का निःअम्लीकरण, 59500 पृष्ठों का टिशु तैयार किया गया तथा 1900 नक्शों को धुम्रीकृत किया जाना है। सूची, बौध पाठों के महत्वपूर्ण संस्करण, महिकवटिची बाखर के मराठी, और अंग्रेजी संस्करण आदि को तैयार करना और मुद्रित करना।	418 मुद्रित पुस्तकों की खरीद, संरक्षण कार्य-1935 पुस्तकों का धूमीकरण किया गया, 23618 पृष्ठों का निः अम्लीकरण किया गया। 178 पुस्तकों के कवक की सफाई और सपाट करने के साथ-साथ 58 पुस्तकों का संरक्षण किया गया। माइक्रोफिल्मिंग कार्य- 2 माइक्रोफिल्मिंग कार्य नहीं किया गया। तथापि वर्ष के दौरान, 1088 पुराने माइक्रोफिल्मस को पुन : घोया गया, सफाई की गई और गुणवत्ता की जाँच की गई। 155 मुद्रित एमएसएस को हस्तनिर्मित एसिड मुक्त कार्ड बोर्ड और पेपर से सप्पोर्ट दिया गया और लाल रंगे के कपडे से लपेटा गया।	--	1.00	

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(झ)	**दृश्य-श्रव्य सामग्रियों के लिए राष्ट्रीय अभिलेखागार**	यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत संबंधी केंद्रीय डाटा बैंक तथा एकीकृत ज्ञान और वास्तविक प्रलेखित सामग्री के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।	--	0.50	इस स्कीम के लिए ब्यौरे तैयार कर लिए गए हैं और इस अभिलेखागार को एसएनए, आईजी एनसीए और अन्य संस्थानों में समाहित किया जाएगा।	स्कीम के ब्यौरे का अभी अंतिम रूप दिया जाना है और इसके अतिरिक्त वर्ष 2013-14 से इसे आईजीएनसीए को यह हस्तांतरित करने का प्रस्ताव है।	--		
(ञ)	**राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय, मुम्बई**	प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 और पुस्तक वितरण अधिनियम, 1954 के उपबंधों के अंतर्गत पुस्तकें और पत्रिकाएं प्राप्त करना तथा उन्हें भावी पीढ़ी के लिए परिरक्षित करना।	0.01	0.25					
	राज्य केन्द्रीय राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय का आधुनिकीकरण/ कम्प्यूटरीकरण/ डिजिटीकरण/ उन्नयन	दुर्लभ पुस्तकों और दुर्लभ दुर्लभ पुस्तकों, पांडुलिपियों का डिजिटीकरण करना। डीबीए पुस्तकों का कम्प्यूटरीकरण/रेट्रोकन्वर्शन			डीबीए अनुभाग में प्राप्त 20000 पुस्तकों, 500 पत्रिकाओं, 300 समाचार पत्रों को तकनीकी रूप से संसाधित किया जाएगा और पुस्तकालय सेवा 2 लाख पाठकों को प्रदान किया जाएगा।	सभी प्रकार के सामान्य पाठक, शोधर्थियों, विशेष पाठक और विद्वानों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार पठन सामग्री प्रदान किया गया।			
ट.	**कोन्नेमारा सार्वजनिक**	यह 1954 के पुस्तक और समाचार-पत्र वितरण	0.35	0.65	पुस्तकालय का उन्नयन और सही प्रयोक्ता के लिए सही	डीबीए अधिनियम के अंतर्गत 15467 पुस्तकें प्राप्त की गई,	0.23	0.49	सामान्यतः योजनेतर अनुदान का उपयोग

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पुस्तकालय, चेन्नई	(सार्वजनिक पुस्तकालय) यथा संशोधित अधिनियम के उपबंधों के अंतर्गत भारतीय प्रकाशनों के 4 प्राप्तकर्त्ताओं में से एक है जो भारत में प्रकाशित सभी सामग्रियों को निःशुल्क प्राप्त कर सकता है। यह एक यूनेस्को सूचना केन्द्र के रूप में कार्य करता है और यूनेस्को के सभी प्रकाशनों को प्राप्त करता है।			समय पर सही सूचना प्रदान करना । मुद्रित प्रलेखों का डिजीटाइजेशन, पठन सामग्री की खरीद।	12653 पुस्तकों का मानक कार्य के रूप में उपचार किया गया और संशोधित किया गया तथा उन्हें पुस्तकालय संग्रह में लिया गया। 125978 पृष्ठों का डिजिटाइज रूप में भंडारण किया गया और 8400 पुस्तकों की जिल्दसाजी की गयी।			प्रशासनिक और स्थापना संबंधी व्यय के लिए किया जाता है।
(ड)	**भारतीय संस्कृति और विरासत के संवर्धन और ज्ञान प्रसार हेतु योजना स्कीम**	मंच कला और थिएटर के माध्यम से संस्कृति और विरासत के संवर्धन से संबंधित गतिविधियाँ शुरू करना।	--				--	--	
	(i)पुस्तक मेलों, पुस्तक प्रदर्शनियों, और अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों / प्रकाशन समारहों में भागीदारों के	क्षेत्रीय लोक राष्ट्रीय पुस्तक मेलों, दुर्लभ प्रकाशनों पाण्डुलिपियों / सरकारी दस्तावेजों की प्रदर्शनी आयोजित करना अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में भागीदारी।		2.00	संस्थान, सोसाइटी आदि सहित गैर लाभकारी संगठनों को कॉलम नं.3 में उल्लिखित उद्देश्य हेतु वित्तीय सहायता दी जाएगी।	इस स्कीम के ब्यौरे इसके कार्यान्वयन के लिए अभी तैयार किये जाने हैं। सक्षम प्राधिकारी का अनुमोदन अभी प्राप्त किया जाना है।		0.10	

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	लिए वित्तीय सहायता।								
	म्ततवत! छवज अंसपक सपदाण प्रकाशन (क) संस्कृति पर शोध (ख) महत्वपूर्ण पाण्डुलिपि (ग)इतिहास का रिकार्ड (घ) संस्कृति पर पुस्तक का सह प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता	इसका उद्देश्य संस्कृति पर प्रकाशन कार्य विरासत और संस्कृति से संबंधित महत्वपूर्ण पाण्डुलिपि, ऐतिहासिक महत्व के रिकार्ड, पुस्तकों का सह प्रकाशन करना है।		0.50	सोसाइटी ट्रस्ट, संस्कृति पर शोध कार्य प्रकाशन, विरासत और संस्कृति से संबंधित महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियाँ हेतु विश्वविद्यालय सहित गैर लाभकारी संगठनों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।	इस स्कीम के ब्यौरे इसके कार्यान्वयन के लिए अभी तैयार किये जाने हैं।			
	(iii) पुराने और दुर्लभ दस्तावेज / पाण्डुलिपि (ग) इतिहास का रिकार्ड (घ) संस्कृति पर	पाण्डुलिपि सहित पुराने और दुर्लभ दस्तावेज को उचित रूप से बनाए रखना और संरक्षण तकनीक का अनुप्रयोग भी करना।		0.50	पाण्डुलिपि सहित पुराने और दुर्लभ दस्तावेजों के संरक्षण और परिरक्षण और परिरक्षण हेतु पुस्तकालय/ सांस्कृतिक संस्थानों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।	इस स्कीम के ब्यौरे इसके कार्यान्वयन के लिए अभी तैयार किये जाने हैं।			

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पुस्तक का सह प्रकाशन के संरक्षण और परिरक्षण हेतु पुस्तकालय / सांस्कृतिक संस्थान को वित्तीय सहायता।								
32.	**पूर्वोत्तर क्षेत्रों और सिक्किम की परियोजनाओं / स्कीमों के लिए प्रावधान।**					सांस्कृतिक संगठन / स्कीम द्वारा शुरू किये गए विविध कियाकलापों पर व्यय, संबंधित संगठ्न / स्कीम के अधीन परिलक्षित किया गया है।			
32.1	**कला और संस्कृति के संवर्धन हेतु परियोजना/ स्कीम।**	पूर्वोत्तर राज्यों में कला और संस्कृति का संवर्धन, प्रसार और संरक्षण।	--	63.75	पूर्वोत्तर राज्यों के विभिन्न शहरों में कला और संस्कृति के क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करना और विभागीय स्कीमों के जरिए एनजीओ/व्यक्तिओं को भी लाभ देना।	पूर्वोत्तर से अनेक एनजीओ / व्यक्ति मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित विविध स्कीमों से लाभान्वित हुए। अकादमियाँ आईजीएनसीए और अन्य संगठन, सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में कला और संस्कृति के संवर्धन हेतु विविध सांस्कृतिक कियाकलाप शुरू किए।	--	63.75	
32.2	**पुरातत्व,**	पुरातत्व, अभिलेखागारों और	--	18.05	पूर्वोत्तर क्षेत्र में संग्रहालयों का	एएसआई द्वारा पूर्वोत्तर में	--	18.05	

परिणाम बजट 2014-15

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अभिलेखागार और संग्रहालय	संग्रहालयों के क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यकलापों का संवर्धन।			विकास करना और अभिलेखीय कार्यकलापों के क्षेत्र में एन ई आर में कार्यरत एन. जी. ओ. को वित्तीय सहायता प्रदान करना। पूर्वोत्तर में स्थित विविध पुराने स्मारक / स्थल का संरक्षण और सुरक्षा।	स्मारक / साइट का संरक्षण और परिरक्षण शुरू किया गया एमएसएस और अभिलेखागार के परिरक्षण के लिए एनजीओ / राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता दी गई है। निजी / सरकारी संग्रहालय के विकास हेतु पूर्वोत्तर राज्यों में स्थित संगठनों को अनुदान जारी किया गया है।			
32.3	**पुस्तकालय**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों को बढ़ावा देना।	--	4.60	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों का विकास।	विविध पुस्तकालयों को उनके उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता दी गई।	--	4.60	
		योग (एन ई आर हेतु प्रावधान)	--	86.40			--	**86.40**	
	कुल (राजस्व)		583.00	826.00			587.15	**775.84**	
33	**संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों की भवन परियोजनाएँ**								
1.	**भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार**		--	3.00			--	5.16	
	(i)	एन ए आई परिसर में छात्रावास और अतिथि गृह का निर्माण			यह परियोजना वर्ष 2012-13 में शुरू किया जा सकता है।	एनएआई की विविध परियोजनाएँ प्रगति पर है			

अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(ii)	रिकॉर्ड केन्द्र, भुवनेश्वर के क्रियाशील भवन का निर्माण।			निर्माण कार्य प्रगति पर है।	कार्य पूरा किया गया।			
	(iii)	डीजल जनरेटर और एसी संयत्र का उन्नयन			एनएआई भवन के लिए एसी संयत्र का प्रतिस्थापन।				
	(iv)	एनएआई मुख्यालय में विविध कार्य।							
2.	**भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण**		--	6.10			--		
	(i)	साल्ट, लेक, कोलकाता में फेस-II कार्यालय भवन का निर्माण			एसएफसी हेतु प्रथम परियोजना को इसके निर्माण कार्य के लिए शुरु किया जा सकता है। इन परियोजनाओं को शुरू करने के लिए भवन का निर्माण कार्य करने के लिए प्रारंभिक प्राक्कलन सीपीडब्ल्यूडी द्वारा सूचित कर दिया गया है।	निर्माण कार्य प्रगति पर है।			
	(ii)	भूमि का प्रापण और केंद्रीय क्षेत्रीय के केद्र नागपुर में संग्रहालय का निर्माण							
	(iii)	क्षेत्रीय केन्द्र देहरादून के उत्तर-पश्चिम में अतिथि गृह का निर्माण							
	(iv)	एसआरसी, जगदलपुर में							

परिणाम बजट 2014-15
अध्याय IV (क) - विगत वर्ष-2012-13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012-13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		कार्यालय भवन और संग्रहालय का निर्माण।			कार्य प्रगति पर है।				
3.	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ** (एनआरएलसी)	आरसीएल, मैसूर में प्रयोगशाला का निर्माण	--	2.00	कार्य चल रहा है।	कार्य अभी शुरू किया जाना है। पूर्ववर्ती परियोजना हेतु प्रतिबद्ध देयता का भुगतान किया गया।			कार्य का समापन सीपीडब्ल्यूडी की दक्षता पर निर्भर है।
4.	**राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली**	राष्ट्रीय संग्रहालय में विभिन्न लंबित पड़े मरम्मत और उन्नयन कार्य	--	1.00	राष्ट्रीय संग्रहालय में सिविल और विद्युत कार्य	कार्य पूरा किया गया।	--	1.91	
5.	**राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय**	आवधिक गैलरी के रूप में दिल्ली में एनजीएमए के पुराने भवन का नवीकरण / विकास और रख-रखाव	--	1.00	वर्ष के दौरान कार्य शुरू किया जाएगा।	कार्य पूरा किया गया।			
6.	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	नागपुर में ए एस आई के लिए कार्यालय भवन का निर्माण, ग्रेटर नोएडा में पुरातत्व संस्थान का निर्माण,	--	24.00	कार्य प्रगति पर है। वर्ष के दौरान नई परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।	एएसआई की विविध परियोजनाएँ प्रगति पर हैं।	--	**20.38**	

परिणाम बजट 2014–15
अध्याय IV (क) – विगत वर्ष–2012–13 के कार्य निष्पादन की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणात्मक परिदेय (क्वांटिफिएबल डिलीवरेबल्स) /वास्तविक परिणाम	मार्च 2013 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2013 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		समांतरपुर, भुवनेश्वर और फरदापुर (प्रयोगशाला भवन) में एएसआई की अपनी भूमि पर संयुक्त कार्यालय भवन का निर्माण, 24, तिलक मार्ग, नई दिल्ली में भवन का निर्माण।							
7.	**सार्वजनिक पुस्तकालय**	**केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय** सीआरएल के नए भवन का निर्माण	--	0.40	यह कार्य वर्ष 2012–13 में शुरु किया जाएगा।	कार्य शुरू नहीं किया जा सका।			
		राष्ट्रीय पुस्तकालय टाइप II,III क्वार्टर्स और साथ ही नए पुस्तकालय भवन का निर्माण		0.50	संस्कृति मंत्रालय से अनुमति मिलने के बाद यह परियोजना शुरू की जाएगी।	कार्य शुरू नहीं किया जा सका।			
		योग (भवन परियोजनाएँ)	--	38.00			--	**27.73**	
		कुल योग (कला और संस्कृति)	583.00	864.00			**587-15**	**803.78**	